सुविचार
गुस्से में कभी गलत मत बोलो, मूड तो ठीक हो ही जाता है, पर बोली हुई बातें वापस नही आती।

साप्ताहिक
# युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-33 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 23 सितम्बर 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

# अनूसूचित जाति अनुसूचित जनजाति छात्रावासों की अविवस्थाओं व कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा

**युवा प्रदेश ❑भोपाल**

शहर के विभिन्न अनूसूचित जाति अनुसूचित जनजाति छात्रावासों की अविवस्थाओं व कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश छात्र छात्रावासों से करीबन 2 से 10 किलोमीटर की दूर पर रहते हैं। स्कूलों में पढ़ाई कर रहे छात्रों के भोजन की समस्या अत्यंत गम्भीर है। छात्रों को न तो भरपेट भोजन मिल पा रहा है और न ही भोजन की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जा रहा है। जिस कारण से बच्चों में शारीरिक कमजोरी आ रही हैं। उपयुक्त भोजन ना मिलने से उनकी पढ़ने की क्षमता बाधित हो रही है। छात्रों के स्कूल एवं कोचिंग का समय एवं भोजन का समय में सामंजस नहीं है। छात्र छात्राओं को नाश्ता ना मिलना भी समस्या है। होस्टल की मेनु में दाल चावल और रोटी भर है किन्तु सब्जी अक्सर नहीं बनाई जाती है । हॉस्टल वार्डन का कहना है कि बजट नहीं आ रहा है इसके बावजूद हम अपनी तनख्वाह से छात्रों को खिला रहे है। ऐसे में बजट न आने का परिणाम छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। इसका सीधा असर छात्रों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। मगर ऐसा अगर होता तो हॉस्टल वार्डन की तनखा 5 दिन में ही खत्म हो जाती। स्कूल - क्लास एवं भोजन का समय नजदीक होने से जो भोजन बनता है छात्र उस समय खाना नही खा पाते है, अगर हॉस्टल वार्डन उन्हें अपने हिस्से का खाना अपने रूम में रखने की इजाजत देते हैं, तभी कुछ छात्र खाना ह्श्शद्ब में ले जा सकते है। किंतु वार्डन इसकी इजाजत छात्रों को नहीं देते है। छात्रावासों में पानी के पीने के लिए वाटर कूलर खराब पड़े है, जिस कारण साफ पानी भी छात्रों को नहीं मिल पा रहा है। होस्टल में आए दिन बच्चे बीमार पड़ते रहते है जिनकी दवा तक का इंतजाम नहीं किया जाता है। ऐसे में बच्चा बीमार पड़ता है तो उन बीमार बच्चों को कहा जाता है कि हमारे पास दवाइयां नहीं है तुम अपने घर चले जाओ। कई छात्रावासों में 6.00 बजे के बाद बच्चों को कहीं भी जाने नहीं दिया जाता है चाहे दवाई लेने जाना हो या रोजमर्रा की कोई

सामान खरीदना हो या पढ़ाई से सम्बन्धित प्रोजेक्ट का सामान लेना हो, इसके लिए भी बच्चों को मना कर दिया जाता है। इसके चलते छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है । यदि छात्र अपनी बात हॉस्टल वार्डन के सामने रखता है तो छात्रों को डराया धमकाया जाता है और यह कहा जाता है कि हम आप का एडमिशन निरस्त कर आपको निकाल देंगे। ऐसी परिस्थिति में छात्र अपने आपको असहाय मेहसूस करता है। छात्रों का कहना है की

**ऐसी स्थिति में हम आपसे आग्रह करते है कि तुरन्त हस्तक्षेप करते हुये निम्न समस्याओं का समाधान कराया जावे**

( 1 ) स्कूल क्लास का समय होने के कारण जो छात्र दोपहर का खाना नहीं खा पाते हैं उनके लिए दोपहर के लंच बॉक्स की व्यवस्था की जाए ।

2 ) छोटे बच्चे अक्सर पैदल जाते हैं, इसलिये जो छात्र छात्रावासों से 2 से 10 किलोमीटर दूरी पर पैदल जाकर स्कूलों में पढ़ाई करते हैं उनके लिए वाहन की व्यवस्था की जाए।

( 3 ) बच्चों को पर्याप्त नाश्ता और भरपेट खाना दिया जाए एवं प्रत्येक छात्रावास में खाने के मेनू के आधार पर दिया जाए ।

( 4 ) आपातकालीन स्थिति में बच्चों के लिए दवाइयां एवं प्राथमिक उपचार मुहैया कराए जाएं ।

( 5 ) बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए खेलकूद की सामग्री एवं हॉस्टल में मनोरंजन के लिये टीवी की व्यवस्था की जायें ।

( 6 ) बच्चों के पढ़ने के लिए अखबार मुहैया कराए जाएं एवं छात्रों के लिए छात्रावासों में लाइब्रेरी की व्यवस्था किया जाए ।

( 7 ) खराब वाटर कूलरों को भी बदला जाए ताकि छात्र खराब पानी पीकर बीमार ना पड़े ।

(8) हास्टल में डर का वातावरण निर्मित करने के बजाय उन्हें खुले वातावरण में चर्चा करने एवं अपनी बात रखने का मौका प्रदान किया जाए ताकि छात्रों और अधीक्षकों के बीच बेहत्तर सम्बन्ध कायम हो सके जिससे बच्चों के बाद्धिक विकास में किसी तरह की बाधा न पहुंचे ।डिप्टी कलेक्टर द्वारा सभी बच्चों की समस्याओं को सुना गया तथा हॉस्टल अधिक्षको को तुरंत बुलाया गया साथ ही सभी छात्रावास में तुरंत निरीक्षण का आदेश जारी किया 24 सितम्बर को सभी छात्रावास में संवाद कार्यक्रम की जानकरी भी दी गई। ज्ञापन देते समय भोपाल के सभी छात्रावास के छात्र उपस्थित रहे जिसमें हॉस्टल इकाई के मुख्य सचिव सोनू अहिरवार, दलसिंह, देवेंद्र, नितिन, जितेंद्र, आर्यन, अभिषेक, राजा, भगवान सिंह, नीरज, जादीप, गजेंद्र मंडरे, लकी , गौरव, आदित्य, (ह्यद्धद्ब) से दीपक पासवं तथा भीम आर्मी सहारांपुर मुख्य प्रभारी राजकुमार आज़ाद साथी व छात्र उपस्थित।

# मध्यप्रदेश की डॉ. अम्बेडकर यूनिवर्सिटी एवं बुद्धिस्ट यूनिवर्सिटी में एस. सी. / एस. टी. वर्ग के कुलपति बनाने हेतु राज्यपाल से भेंट एवं ज्ञापन।

**मूलचन्द मेधोनिया भोपाल मोबाइल**

**युवा प्रदेश ❑भोपाल।**

डॉ. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण भूमि कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केबिनेट मंत्री श्री इंद्रेश गजभिये ने एक प्रतिनिधि मंडल के साथ मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल से भेंट कर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने इस बात पर आपत्ति व्यक्त करते हुये अनुरोध कर कहा कि प्रदेश में लगभग 26 विश्वविद्यालय हैं, लेकिन किसी विश्वविद्यालय में एस. सी./एस. टी. के वाइस चांसलर नही बनाये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश एवं देश में अनेक दलित वर्ग के विद्वान प्रोफेसर एवं शिक्षाविद हैं, जिन्हें वाइस चांसलर बनाने का अवसर नहीं दिया जा रहा हैं। जिससे दलित - आदिवासी , पिछड़े वर्ग की शिक्षा संस्थाओं को स्थापित करने का मूल उद्देश्य प्रभावित हो रहा हैं तथा इन विश्वविद्यालयों की स्थिति खराब हो रही हैं। श्री गजभिये ने राज्यपाल महोदय को ज्ञापन देकर मांग की महू ( अम्बेडकर नगर ) स्थित डॉ. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय में तथा सांची स्थित बौद्ध ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में एस. सी./एस. टी. वर्ग के कुलपति (वाइस चांसलर) बनाये जाये। राज्यपाल महोदय से इस मांग पर अवश्य निर्णय लेने की मांग की गई। प्रतिनिधि मंडल में डॉ. विनीत नागले एवं डॉ. रामदास दिलारे साथ में उपस्थित थे।

# नैक टीम द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया

**युवा प्रदेश ❑नर्मदापुरम**

**पत्रकार बीआर अहिरवार**

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में दिनांक 21 सितंबर 2022 को नैक टीम द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण 2 दिवसों में पूर्ण होगा इस निरीक्षण हेतु तीन सदस्यीय टीम ने पूरे दिन महाविद्यालय में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप दौरा किया। उस टीम में चेयरपर्सन प्रोफेसर चंद्रकला पडिया, समन्वयक प्रोफेसर अमीता रवि कुमार एवं सदस्य के रूप में प्रोफेसर थेरेषा निथिला विंसेंट ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की। टीम के स्वागत महाविद्यालय की एनसीसी छात्रा दल ने गार्ड ऑफ ऑनर द्वारा किया। महाविद्यालय के संपूर्ण स्टाफ की मौजूदगी में टीम ने मां सरस्वती की पूजा एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात प्रवेश किया, प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के साथ लंबी बैठक कर महाविद्यालय के प्रत्येक पहलू की जानकारी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन द्वारा प्राप्त की। इसी क्रम में एक टीम ने महाविद्यालय की पूर्व छात्राओं एवं वर्तमान छात्राओं के अभिभावकों के साथ बैठक कर अपने प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए। प्रथम दिवस के इस दौरे में एक टीम द्वारा मुख्य आकर्षण का केंद्र महाविद्यालय का सर्व सुविधा युक्त ग्रन्थालय रहा। टीम द्वारा ग्रन्थालय में अध्ययनरत छात्राओं से चर्चा की गई। इसी क्रम में मेकलसुता छात्रावास का दौरा भी सदस्य टीम द्वारा किया गया। नेक टीम सभी विभाग के विभागाध्यक्ष से चर्चा की गई। इस निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी श्री मनोज ठाकुर एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से सहायक कुल सचिव सुश्री भावना पटने विशेष रूप से उपस्थित रहे। स्टयरिंग कमेटी के सदस्य श्री बैजू जोसेफ, श्रीमती नीरजा फौजदार, डॉ के. डब्ल्यू. शाह, डॉ राजीव वर्मा, श्री राजू जुमनानी, सुश्री विजया कदम ने नेक टीम से चर्चा की। नेक टीम ने आज के निरीक्षण में महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी देखा और प्रसन्नता व्यक्त की, यह सांस्कृतिक कार्यक्रम लगभग 45 मिनट का रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मिले सुर मेरा तुम्हारा, खूब लड़ी मर्दानी, मेरा मध्यप्रदेष की सराहना की गई। इस टीम के सहयोग के लिए मुख्य रूप से आइक्यूएसी कोआर्डीनेटर डॉ रश्मि श्रीवास्तव, डॉ श्रीकांत दुबे, डॉ अरुण सिकरवार ने सहयोग प्रदान किया।

# बिना अधिकार वाली जमीन(भूमि) पर बने मकान को हटवाना राज्य सरकार का दायित्व है या नहीं जानिए/ Legal General Knowledge....।

वर्तमान समय को अगर देखा जाए तो आज भी अवैध भूमि पर दबंग लोगो कब्जा कर रखा है ओर उन ओर आलिशान मकान बना रखा है। सत्ता के दबाव के कारण प्रशासन का कोई भी अधिकारी इन पर कार्यवाही नही कर पाता है। ऐसे ही कुछ विशेष विधि में भी बताया गया है कि अनुसूचित जनजाति वर्ग की भूमि को जिसे सरकार ने उनको आजिविका चलाने के लिए दी गई है इसको कोई खरीद नहीं सकता है, लेकिन कुछ दबंग लोगों उनको बिना अधिकार के खरीद लेते हैं और मकान, भवन, परिसर का निर्माण कर लेते हैं। ऐसे मकान, परिसर, आदि को गिरना राज्य सरकार का दायित्व होता है जानिए सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण जजमेंट।

दीपक कुमार मुखर्जी बनाम कोलकाता नगर निगम-? उक्त मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया कि इमारतों,भवनों एवं अन्य ढाँचों का अवैध तथा अप्राधिकृत निर्माण न केवल नगर विधियों तथा विशेष क्षेत्र के नियोजित विकास की अवधारणा का अतिलंघन करते हैं, इसमे लोगों के विभिन्न मौलिक तथा संवैधानिक अधिकारों को भी प्रभावित करते हैं।

इन अवैध निर्माणों को गिराने के लिए तुरंत कार्यवाही करने में राज्यतंत्र की विफलता के कारण नागरिको को यह विश्वास हो गया है कि नियोजन विधियां केवल निर्धनों के प्रति लागू की जाती हैं।

राज्य सरकार को जहाँ धन से शक्तिमान व्यक्तियों या सत्ता-धारी व्यक्तियों से अपवित्र संबंध रखने वाले व्यक्तियों से व्यवहार करना होता है वहाँ राज्य पूरी तरह समझौता कर लेता है राज्य का यह कार्य असंवैधानिक होता है।

**- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता एवं ब्यूरो चीफ युवा प्रदेश समाचार पत्र अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)**

# लाइसेंस प्राप्त करने के लिए झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना कब दंडनीय अपराध होगा जानिए/IT Act,2000.....।

मिथ्या प्रमाण पत्र बनाकर गलत लाभ लेना या किसी दास्तवेजो का कुटकरण करना भारतीय दण्ड संहिता के अध्याय 18 के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के अपराधों का वर्णन किया गया है जो संहिता की धारा 463 से धारा 477 तक वर्णित है। लेकिन किसी लाइसेंस या कोई आज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए गलत बयान देना या किसी नियंत्रक या प्रमाण पत्र जारी करने वाले अधिकारी के समक्ष जानबूझकर कर गलत जानकारी प्रस्तुत करेगा ऐसा करने वाले व्यक्ति का अपराध किस कानून के अंतर्गत माना जायेगा जानिए।

**सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000 की धारा 71 की परिभाषा-** यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर कर किसी नियंत्रक या प्रमाणकर्ता अधिकारी को किसी प्रकार का लाइसेंस (अनुज्ञप्ति) या कोई डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए झूठी जानकारी प्रस्तुत करेगा या महत्वपूर्ण बातें, जानकारी को छिपायेगा तब ऐसा करने वाला व्यक्ति

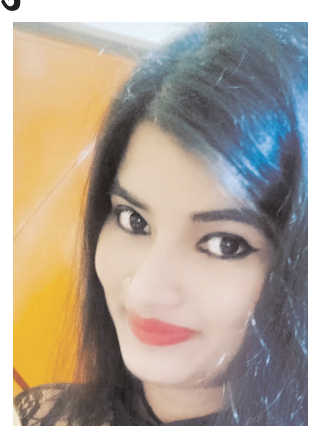

अधिनियम की धारा 71 के अन्तर्गत दोषी होगा।

**नोट-** यहाँ अनुज्ञप्ति शब्द का वास्तविक अर्थ हैं किसी भी प्रकार का लाइसेंस प्राप्त या आज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त करना जैसे अविष्कार, पेटेंट, सनद, डिप्लोमा,वाहन,होटल, दुकान आदि की अनुज्ञप्ति।

**सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000 की धारा 71 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान-** यह अपराध किसी भी प्रकार से समझोता योग्य नहीं है, यह असंज्ञेय एवं जमानतीय अपराध हैं। अधिनियम के अनुसार अपराध का इन्वेस्टिगेशन करने की शक्ति निरीक्षक(इंस्पेक्टर) की नीचे की पक्ति के पुलिस अधिकारी को नहीं हैं। सजा- इस अपराध के लिए अधिकतम दो वर्ष की कारावास या एक लाख रुपए जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता हैं।

**- लेखिका कानूनी जानकारी रागिनी सिंह इंदौर।**

आवश्यकता
युवा प्रदेश नेटवर्क
*मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।*
युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

# विश्वकर्मा जयंती कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ भोपाल व श्रमिक संघ द्वारा मनाई गई

**मूलचन्द मेधोनिया**

भोपाल। शिल्पकार व वास्तुकला के जनक भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती की भोपाल मध्यप्रदेश के असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ एवं श्रमिक कामगारों के द्वारा भोपाल के कजरीखेडा, कालापानी कोलार भोपाल में भगवान विश्वकर्मा जी के भवन निर्माण के औजार, उपकरण, मशीन और सभी तरह के औजार की साफ सफाई कर पूजन अर्चना की गई। औजार, उपकरण ही भव्य भवन निर्माण के उपयोग में विश्वकर्मा जी ने इंजीनियर के तौर पर इस्तेमाल कर कलात्मक कृतियों और सृष्टि के निर्माण किया है। सर्वप्रथम मध्यप्रदेश असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ भोपाल के प्रदेश अध्यक्ष मूलचन्द मेधोनिया एवं इंजीनियर आकाश के द्वारा भगवान विश्वकर्मा जी की आरती और पूजन की। तदुपरांत असंगठित कामगार प्रकोष्ठ के श्रमिक रघुनाथ नरबडे (मिस्त्री) विक्रम सिंह (मिस्त्री) राजू (पेंटर) बबलू (पेंटर) बसंत कुमार, बल्लू (पेंटर) भास्कर, देव आराम, महावीर (श्रमिक) महेन्द्र यादव (कुशल कारीगर), सतीश पात्र, शालिकराम पात्रे, दिनेश इत्यादि श्रमिकों और कामगार की उपस्थिति में जयन्ती मनाई गई। मध्यप्रदेश के श्रमिक नेता मूलचन्द मेधोनिया जी ने जयन्ती अवसर पर मजदूरों के बीच में शिल्पकार व वास्तुकला के जनक भगवान विश्वकर्मा जी के बारे में जानकारी दी और सभी मजदूरों भाईयों को उनकी मेहनत और श्रम के कार्य का उचित मेहनताना मिलने की बात कही। कार्यक्रम में शामिल सभी कामगार को प्रसाद वितरण किया गया। तथा प्रदेश अध्यक्ष ने सभी को असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ भोपाल की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

# सिद्धू मूसेवाला की मौत का बदला लेने के लिए संदीप बिश्नोई का मर्डर!

**एजेंसी/दिल्ली।** राजस्थान के नागौर में एक अदालत के बाहर सेठी गिरोह के सदस्य संदीप बिश्नोई उर्फ सेठी की हत्या कर दी गई. काली स्कॉर्पियो में सवार हमलावरों ने उस वक्त गैंगस्टर संदीप पर गोलीबारी की, जब वह सुनवाई के लिए नागौर कोर्ट में रहा था. इस हमले में गोली लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई. यह गैंगवार ऐसे वक्त पर सामने आई है, जब एनआईए ऐसे कुख्यात गैंगस्टर पर शिकंजा कस रही है. दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने बिश्नोई और बंबिहा गैंग के खिलाफ यूएपीए की संबंधित धाराओं के तहत दो प्राथमिकी दर्ज की थी. एनआईए ने उन दोनों मामलों में संज्ञान लिया है. हमले में मारा गया गैंगस्टर संदीप बिश्नोई सेठी गैंग का गुर्गा था, जिसका संबंध लॉरेंस बिश्नोई गैंग से है. इस हत्याकांड के ठीक बाद दविंदर बंबिहा गैंग ने सोशल मीडिया पर इस मर्डर को बदला की कार्रवाई करार दिया. गिरोह, बंबिहा गैंग को अर्मेनिया में बैठा लकी पटियाल चला रहा है।

## सोशल मीडिया पोस्ट में दावा

बंबिहा गैंग ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में इस हत्याकांड की जिम्मेदारी लेते हुए लिखा कि लॉरेंस बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया और गोल्डी बरार का भी ऐसा ही हाल होगा. इसके बाद एक और पोस्ट सामने आई, जिसमें कथित तौर पर गोल्डी बरार से जुड़े एक अकाउंट से दावा किया गया कि बंबिहा गैंग का दावा निराधार है, यह पुरानी रंजिश का मामला था. गोल्डी बरार ने आगे दावा किया कि पीड़ित और हमलावर दोनों उनके गैंग के मुखबिर थे और उनकी 10 साल पुरानी रंजिश थी. जिसे उन्होंने सुलझाने की कोशिश भी की थी. उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर बदला लेने की बात करने से बदला नहीं लिया जा सकता है.

सोशल मीडिया गैंगस्टरों की चालबाज़ी

अपना प्रभाव बनाने के लिए सोशल मीडिया पर हत्या जैसे संगीन मामलों को उजागर करना गैंग्स का एक पुराना तरीका है. पंजाबी सिंगर और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य गोल्डी बराड़ ने सोशल मीडिया पर मूसेवाला के मर्डर को विक्की मिड्दुखेरा की मौत बदला बताया था. बिश्नोई और बंबिहा गैंग के बीच रंजिश ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों की रातों की नींद हराम कर दी है, जो उनके मुखबिरों और शार्पशूटरों के ठिकानों का भंडाफोड़ करने के लिए तैयार हैं. पंजाब पुलिस के सूत्रों की मानें तो अब तक संदीप बिश्नोई की हत्या का सिद्धू मूसेवाला मर्डर से कोई लिंक नहीं मिला है. हालांकि, गोल्डी बराड़ की कथित सोशल मीडिया पोस्ट में मृतक संदीप बिश्नोई को बिश्नोई गिरोह का मुखबिर बताया गया है।

# रूस के 38 शहरों में पुतिन के खिलाफ प्रदर्शन

## पुलिस ने महिला प्रदर्शनकारियों को घसीटकर पीटा; हिरासत में 1,300 से ज्यादा लोग

**मॉस्को।** रूस-यूक्रेन जंग पिथले 7 महीनों से जारी है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने 21 सितंबर को यूक्रेन के चार इलाकों में 3 लाख रिजर्व सैनिक तैनात करने की घोषणा की। उनकी इस घोषणा के बाद से ही देशभर में प्रदर्शन शुरू हो गए। पुलिस ने हजारों लोगों को हिरासत में लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, येकातेरिनबर्ग समेत कुछ शहरों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और घर लौटने की अपील की थी। प्रदर्शन तेज होने के बाद पुलिस ने लोगों पर लाठियां बरसा दीं।

**हजारों की संख्या में सड़कों पर उतरे लोग:** विरोध प्रदर्शन और पुलिस के साथ हुई झड़पों के कुछ वीडियो वायरल हुए हैं। इसमें पुलिस को लोगों के साथ मारपीट करते हुए देखा जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने प्रोटेस्ट कर रहीं महिलाओं के साथ बेरहमी से साथ मार-पीट करती दिखी। एक वीडियो में कुछ पुलिस ऑफिसर्स एक महिला को घसीटते हुए दिखाई दिए। एक अन्य वीडियो में देखा जा सकता है कि हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर मार्च कर रहे हैं। नो टु वॉर के नारे लगा रहे हैं। स्काई न्यूज के मुताबिक, मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग समेत 38 शहरों में प्रदर्शन कर रहे करीब 1,371 लोगों को हिरासत में लिया है। प्रेसिडेंट पुतिन ने 3 लाख सैनिकों की तैनाती के ऐलान से पहले पश्चिमी देशों पर 'न्यूक्लियर ब्लैकमेल' का आरोप लगाया।

# ओबीसी समाज मे जागरूकता लाने के लिए राष्ट्रीय ओबीसी बहुजन महासंघ का गठन- पूर्व सांसद डॉ. खुशाल बोपचे

**संजीव भांबोरे**

गोंदिया। (ऑल इंडिया प्रतिनिधी) जब तक ओबीसी समाज डॉ भीमराव आंबेडकर ने दिये हुये भारतीय संविधान के प्रति जागृत नही होंगे तब तक ओबीसी समाज का विकास असंभव होने की बात पूर्व सांसद तथा राष्ट्रीय ओबीसी बहुजन महासंघ के संस्थापक/ अध्यक्ष डॉ. खुशाल बोपचे ने मीडिया से बातचीत करते हुए कही .उन्होने आगे कहा कि रयते का राजा छत्रपती शिवाजी को आदर्श मानते हुए इस देश मे

महात्मा ज्योतिबा फुले , छत्रपती शाहू महाराज , संविधान निर्माते डॉ .भीमराव आंबेडकर विचारधारो के बिना कोई भी लढाई जीत नही सकते. आजादी के 75 साल के बाद भी आज ओबीसी की जनगणना नही हुई यही ओबीसी समाज का विकास का पतन का मुख्य कारण बताया. चर्चा मे मेट्रो टाईम के मुख्य संपादक विजयकुमार डहाट, प्रेस संपादक व पत्रकार सेवा संघ के राज्य सरचिटणीस संजीव भांबोरे ,बापू वार्ता के संपादक देवेंद्र दमाहे, समाजसेवक शंकर भेंडारकर, संजय रंगारी उपस्थित थे।

## जागृति -बलवान हो रहा है ??

बहुजनो मे रक्त संरक्षण
गतिमान हो रहा है,
अब जागृति के लक्षण
बलवान हो रहा है,
समंदर में तैरने वाले को
किनारा नजर नहीं आता,
निरंतर तैरते रहने से
मंजिल उसे मिल ही जाता है
साहस अब साथियों में
खुलेआम हो रहा है,
बहुजनो मे रक्त संरक्षण
गतिमान हो रहा है,
जागृति के लक्षण अब
बलवान हो रहा है,
निराशा तो मिशनरी साथी के
खून के तासीर मे नही होती
शिक्षा और संविधान के बल पर
हताशा की तस्वीर नहीं होती,
हम रहें या ना रहें
रहबरो के पदचाप की आहटें
मंजिल फतह होने तक
हमारे ही साथ है होती
रुकने, झुकने या टुटने की
कभी सोच ही नहीं होती
हमे बहुजन होने पर
अब अभिमान हो रहा है,
बहुजनो मे रक्त संरक्षण
गतिमान हो रहा है,
अब जागृति के लक्षण
बलवान हो रहा है

हरीश पांडल
विचार क्रांति
छत्तीसगढ़

# सांसद नकुलनाथजी से मिले मुख्यमंत्री आवास योजना के परेशान हितग्राही

**मूलचन्द मेधोनिया मोबाइल 8878054839**

## बैंकों की जबरिया वसूली रुकवाने की लगाई गुहार

**छिंदवाड़ा।** असंगठित कामगार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष वासुदेव शर्मा के नेतृत्व में संगठन के अमरवाड़ा विधानसभा अध्यक्ष बबलू डोहरिया एवं सहेश कुमार सिरसाम चिखली मुकासा के साथ सैकडों मुख्यमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों ने सांसद नकुलनाथजी से मुलाकात कर मांगपत्र दिया। सांसद नकुलनाथजी से मिलने से पहले सीएम आवास योजना के हितग्राहियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर बैंक द्वारा दिए गए नोटिसों को वापस किया और वसूली रुकवाने की मांग की। हितग्राहियों ने सांसद नकुलनाथजी को सीएम आवास योजना के तहत दी गई आर्थिक सहायता की वसूली की जानकारी दी और वसूली रुकवाने का आग्रह किया, जिले में सीएम आवास योजना के 21,700 हितग्राही हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री ने बैंको से 1 लाख का लोन पक्के मकान बनवाने के लिए दिलाया था और लोन चुकाने की जिम्मेदारी सीएम ने खुद ली थी, अब बैंकें उसकी वसूली के नोटिस दे रही हैं और मकान कुर्क करने की धमकी दे रही हैं। मुख्यमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कामगार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा कि सरकारी योजनाएं गरीबों की मदद के लिए बनाई जाती हैं, मुख्यमंत्री आवास योजना भी इसलिए ही शुरू की गई थी लेकिन आज सरकार सीएम आवास के हितग्राहियों से दी गई सहायता वापस मांग रही है, नोटिस भेज रही है जो पूरी तरह गलत है।

# एक छोटे से किसान का बेटा बना सॉफ्टवेयर इंजीनियर नोएडा दिल्ली में हुई पोस्टिंग

**नागेश नरवरिया / रायसेन।** जिले के तहसील देवरी के छोटे से गांव खमरिया पोस्ट चीकली के छोटे किसान छिदामी लाल केवट का बेटा माखन सिंह केवट आज सॉफ्टवेयर इंजीनियर बन गया, उसकी इस बड़ी कामयाबी के पीछे उसकी कड़ी मेहनत है जिसके बल पर आज वह सॉफ्टवेयर इंजीनियर बना। बहुत ही छोटे तबके के किसान जिनका गुजारा मात्र बहुत ही मुश्किल से होता है पर शिक्षा के अध्ययन के इस जुनून ने उसे आज सॉफ्टवेयर इंजीनियर बना दिया। शासकीय बालक विद्यालय देवरी जिला रायसेन से माखन सिंह ने कक्षा दसवीं में 95त्न अंक प्राप्त कर पूरे रायसेन जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया और रायसेन का नाम रोशन किया इसके बाद माखन सिंह का चयन सुपर 100 स्कीम

योजना के तहत इंदौर में हुआ इसके माध्यम से उसका चयन आईआईटी गोवा में हुआ यह उसकी जिंदगी की सबसे बड़ी कामयाबी थी इसी के चलते उसने कड़ी मेहनत की और उसका चयन सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर नोएडा दिल्ली में हुआ उसकी इस बड़ी कामयाबी पर माता पिता तथा गुरुजनों ने उसको शुभकामनाएं प्रेषित की। साथ ही उसकी इस बड़ी सफलता को लेकर दोस्तों में भी काफी उत्साह देखने को मिलता है दोस्तों में माखन सिंह का सबसे करीबी मित्र हल्के वीर है जिसने न्यूज़ पत्रकारों को एक महत्वपूर्ण बात बताई जिसमें की माखन सिंह का चयन विदेश में भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर हो जाता पर उसने विदेशों में अपनी सेवाएं देने से साफ इनकार कर अपने ही देश में सेवाएं प्रदान करना उचित समझा वह अपनी सेवाएं अपनी मातृभूमि के लिए देना चाहता है, यह उसकी आत्मीय ख्वाहिश थी इसलिए उसने अपना देश ही चुना।

# नशे में पत्नी माता पिता की हत्या से 7 साल के बेटे को कनपटी पर गोली मारने वाले आरोपी को मौत की सजा

**धनसिंह अहिरवार/ बरेली।** से 12 किलोमीटर दूर घाट सेमरी गांव में 16 मई 2009 की दरमियानी रातनशे में पत्नी माता पिता को 7 साल के बेटे की हत्या करने वाले आरोपी को अपर सत्र न्यायाधीश ने सोमवार को मौत की सजा सुनाई आरोपी युवक ने चरित्रशका,में पत्नी से मारपीट की थी और बीच-बचाव करने आए माता-पिता पर से कुल्हाड़ी से वार किएथे,युवक इतना ज्यादा गुस्सा में था उसने अपने सात,साल के बेटे को कनपटी पर गोली मार दी थी मां व पत्नी की सिर में चोट लगने से मौके पर मौत हो गई थी जबकि गंभीर रूप से घायल हो पिता कीभोपाल ले जाते समय रास्ते में मौत हुई थी सात साल के बेटे की भोपाल में सरकारी हॉस्पिटल मैं मौत हो गई अपर सत्र न्यायाधीश सुधांशु सक्सेना ने आरोपी जीतेंद्र पिता जालम सिंह पूविया निवासी ग्राम देवरी घाट को मृत्युदंड की सजा सुनाई आरोपी मैं अपनी पत्नी को चरित्र पर संदेह को लेकर जघन्य हत्याकांड को अंजाम दिया था कुल्हाड़ी से परिवार को सभी सदस्यों को मारने के बाद वह बंदूक से फायर करके वहां से आ गया था जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था हत्याकांड के मामले में परिजनों व पड़ोसियों ने अपने बयान दर्ज करवाएं थे उन्हें बयान में बताया था जीतेंद्र ने कैसे हत्याकांड को अंजाम दिया मामले में एडीपी ओ सुनील नाग व एजीपी नरेंद्र सिंह राजपूत ने पैरवी की साक्ष्य प्रस्तुत किए इसी आधार पर न्यायालय ने यहां फैसला सुनाया एजीपी राजपूत ने बताया की सेमरी घाट निवासी जीतेंद्र पुरबिया 16 मई 2019 की रात 1ः30 से 2ः00 के बीच अपनी पत्नी सुनीता बाई के साथ मारपीट कर रहे थे बहू की चीख-पुकार सुनकर ससुर जालम सिंह और शारदा बाई वहां पर पहुंचकर और बहू को मारने से रोका तभी जीतेंद्र ने कुल्हाड़ी से पत्नी के साथ ही माता पिता और 7 साल के बेटा शिवास सिद्धांत पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया इस से यह लोग लहु लुहान हो ग ए थे बाद में इन चारों ने दम तोड दिया था उनके चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी और परिजन वहां पहुंच तो आरोपी ने दी अन्य लोगों पर भी कुल्हाड़ी से हमला कर दिया और बंदूक से फायर करते हुए मौके से भाग गया बाद में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद बरेली के अपर सत्र न्यायाधीश सुधांशु सक्सेना ने फैसला सुनाया।

# नपा बिजुरी वार्ड क्रमांक 9 में समीना खुर्शीद अहमद का बढ़ रहा है जनाधार

## भाजपा की गुंजन से बसपा की सीधी टक्कर,कांग्रेस लड़ाई से हुई बाहर

युवा प्रदेश ❑अनुपपुर

अनूपपुर जिले में इन दिनों चुनावी सरगर्मियां अपने उफान पर दिखाई दे रही हैं तो वही मध्य प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध नगर पालिका परिषद बिजुरी जहां चुनाव का बिगुल बज चुका है प्रत्याशी मतदाताओं को रिझाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं इसी क्रम में नगर पालिका परिषद बिजुरी के वार्ड क्रमांक 9 में कुल तीन प्रत्याशी है ! वार्ड के मतदाताओं की अंदरूनी मनसा और सर्वे मैं जो रिपोर्ट निकल कर आ रही है उसमें बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी समीना खुर्शीद अहमद की सीधी टक्कर भारतीय जनता पार्टी की गुंजन साहू से है! क्योंकि पूर्व में गुंजन साहू वार्ड क्रमांक 9 की ही पार्षद रह चुकी हैं पार्षद ही कार्यकाल के दौरान 5 साल जनता के सुख दुख में खड़ा नहीं हुई और दोबारा चुनाव लड़ी तो जनता ने उन्हें हार का रास्ता दिखाया! और हारने के बाद 5 साल तक जनता के बीच नहीं गई ! जिसकी वजह से जनता के अंदरूनी रुझान समीना खुर्शीद अहमद के पक्ष में आते हुए दिखाई दे रहे हैं! बात करें अगर समीना खुर्शीद अहमद के परिवार की तो पूरा परिवार वार्ड क्रमांक 9 ही नहीं बल्कि पूरे नगर के दुख तकलीफ में खड़े रहने का साहस करते हैं ! लोगों की समस्याओं पर आधी रात को साथ देते हैं ! जिसकी जन चर्चा वार्ड क्रमांक 9 के मतदाताओं के मुंह पर दबी जबान से सुनाई दे रही है!

### क्या कहता है चुनावी समीकरण

समीकरण के आधार पर अगर देखा जाए तो वार्ड क्रमांक 9 का जो क्षेत्रफल है भौगोलिक दृष्टि से जिसको गुंजन साहू का गढ़ माना जाता है जैसे गलैय्या टोला और ऊर्जा नगर ब्लॉक बी समीना खुर्शीद अहमद के लिए खुलकर मतदाता अपना मतदान करने की बात कर रहे हैं ! वहीं बाजार एरिया में भी बढ़त बनाते हुए खुर्शीद अहमद लोगों के जुबान पर दिखाई दे रहे हैं ! बात अगर कांग्रेस के प्रत्याशी बबीता सोंधिया की किया जाए तो इनके पति नगर पालिका परिषद बिजुरी में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर पदस्थ रहते हुए इनके ऊपर भ्रष्टाचार के कई आरोप लग चुके हैं जिसको जनता पसंद नहीं कर रही है!

# देश में स्वच्छता की परिकल्पना को और अधिक बल देने के उद्देश्य से 15 दिवसीय स्वच्छ अमृत अभियान का आगाज

**राजनगर कालरी।** स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ पर स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत भारत सरकार के आवास एवं नगरीय विकास मंत्रालय तथा माय गवर्नमेंट के नेतृत्व में पूरे देश में स्वच्छता की परिकल्पना को और अधिक बल देने के उद्देश्य से 15 दिवसीय स्वच्छ अमृत अभियान का आगाज 17 सितंबर को नगर परिषद डूमर कछार में किया गया या अभियान 2 अक्टूबर तक सतत चलता रहेगा,जिसके अंतर्गत नागरिकों में स्वच्छता की चेतना का विकास करने एवं नागर समाज के सहयोग से क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने तथा नागरिक व्यवहार परिवर्तन के उद्देश्यों को साकार करने के लिए इंडियन स्वच्छता लीग के अंतर्गत स्वयंसेवी संस्था संधान ट्रस्ट के पहल पर नगर के युवाओं, बुद्धिजीवियों, नागरिकों जनप्रतिनिधियों,विद्यार्थियों,स्व सहायता के समूहों तथा महिलाओं की टीम क्लाइमेट मोटीवेटर के माध्यम से 15 दिवसीय स्वच्छता अमृत अभियान के शुरुवात के अवसर पर विविध आयोजन प्रारंभ किया गया। स्वच्छता अमृत अभियान का आगाज नगर वासियों ने नगर परिषद के सहयोग से सामूहिक रूप से नगर के दुर्गा पंडाल एवं खेल के मैदान की सफाई कर स्व सहायता समूह के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। तत्पश्चात नगर के युवाओं,विद्यार्थियों, बुद्धिजीवियों,नागरिकों पत्रकारों तथा जनप्रतिनिधियों के द्वारा स्वच्छता रैली के माध्यम से नगर भ्रमण कर नागरिकों में स्वच्छता की अलख जगाने तथा व्यवहार परिवर्तन हेतु प्रेरित करने के लिए संवाद की शुरुआत की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर परिषद के अध्यक्ष सुनील कुमार चौरसिया, सीएमओ राकेश शुक्ला लेखापाल रजनीश शुक्ला सहित परिषद के कर्मचारी एवं स्वसहायता समूहों के अध्यक्ष सचिव गणमान्य नागरिकों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन संधान ट्रस्ट के सीईओ डॉ. राकेश रंजन ने किया।

## हिंदी की सुगंध हिंदी दिवस पर वंदन

अभिनंदन। मातृभाषा का करो गुणगान और अभिनंदन।। विश्व पटल पर अमित छाप । हिंदी में करोगे जब काम आप।। हिंदी हिंदुस्तान के माथे की बिंदी। जैसे बागों में पत्ते पर चमकती ओस की बिंदी।। जैसे बागों में पत्ते पर चमकती ओस की बिंदी।। प्रेम की भाषा गढती।। विश्व बंधुत्व की सरिता बहाती।।दो दिलों में सुमन खिलाती।। हीरा मोती मणि माला सर्जन करती।। हिंदी जन -जन की हो वाणी।। जैसे पुष्प खिले डाली -डाली।। तुलसी कबीर कि घर-घर बाणी गूंजे गी ।।उपवन में कलियां खिलेगी।। हिंदी की सुभाष विखरेगी ।। विश्व धरा की माटी महकेगी।।

नारायण अहिरवार अंशु कवि नर्मदा पुरम मध्य प्रदेश

## मैंने भी बचपन निकाला

मैंने भी बचपन निकाला , बिना चप्पल और बिना छाते का ।
मैंने भी धूप खाई और चलती गई , आंखो में लेकर सपना खुशियों का ।
कोई मुझसे भी पूछे मेरी आंखों में आए आंसुओ को ,
मैंने भी बचपन देखा है हाथ में लेकर किताब ,और भूखे पेट का।
खुशियों का मोल नही चंद रुपयों के सामने ,
मैंने भी बचपन देखा , चंद पैसे लेकर मेले में जाने का।
मैंने भी खाई सुखी रोटी और सब्जी बिना तेल की ,
आंखो में आए आंसू जब देखा चेहरा छोटी बहन का।।
मैंने भी बचपन निकाला , बिना चप्पल और बिना छाते का,
मैंने भी धूप खाई, और चलती गई आंखो में लेकर सपना खुशियों का।।

*लेखक-बैशाली नारनवरे,छिंदवाड़ा*

# 40 साल बाद होगी रंग महल मंदिर में पूजा

**अनूपपुर।** जिले के पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा मंदिर के सामने प्राचीन कलचुरी कालीन रंगमहला मंदिर जिसकी भव्यता सुंदरता देखने बनती है जो कल्चुरी कालीन सेकडो साल का प्राचीन मंदिर है ,यहां विष्णु ,पातालेश्वर शिव, सतनारायण भगवान विराजे है और इन मंदिरों पूजा-पाठ लगभग 40 सालों से बंद थी, मंदिर परिसर को पुरातत्व विभाग का अधिग्रहण था और पूजा पाठ पर प्रतिबंध लगा दिया था । शंकराचार्य द्वारका शारदा एवम् ज्योतिष पीठाधीश्वर स्वर्गीय स्वामी स्वरूपानंद जी ने भारत सरकार पुरातत्व विभाग स्टेट गवर्नमेंट के खिलाफ पूजा पाठ की अनुमति की मांग को लेकर 7 साल पहले 2015 में अपर सत्र न्यायालय राजेंद्रग्राम में याचिका दर्ज करवाई थी। जिसकी जिरह शंकराचार्य जी के वकील मुरली धर शर्मा एवम श्री धर शर्मा ने की थी मंदिर परिसर क्षेत्र और मंदिरों की संपूर्ण देखरेख और पूजा पाठ का उत्तरादयी ज्योतिष पीठ की है यह उल्लेख किया गया था इस वाद को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने ज्योतिष पीठ के पक्ष में फैसला देते हुए मंदिरों पर पीठ द्वारा देखरेख एवम पूजा पाठ करने की अनुमति प्रदान कर राज्य सरकार पुरातत्व विभाग ,जिला कलेक्टर को आदेश की प्रतिलिपी भेजी गई। हिंदू आस्था के अनुसार और अमरकंटक पुजारियों के बताए अनुसार किमविदती है की रंग महला मंदिर के अंदर विराजे पातालेश्वर मंदिर में श्रवण मास में खुद गंगा मां मंदिर में आती है और शिव का अभिषेक करती हैं आस्था के इस बड़े केंद्र मंदिर को पूजा पाठ से वंचित कर कहीं न कही क्षेत्र वाशियो के अंदर रोष था। आदेश के आने के बाद क्षेत्र वासियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी प्राचीन मंदिर जहां पहले से लोग जाते थे वहां पूजा करते थे आराधना करते थे।

# अनुसूचित जाति की छात्रा को घर से प्लेट न लाने पर छुआछूत के आधार पर इतना मारा की छात्रा का हाथ टूटा

मूलचन्द मेधोनिया भोपाल

**बैरसिया।** 14 सितंबर बैरसिया विकासखंड की गोडीपुरा मिडिल स्कूल के शिक्षकों ने एक छात्रा को खाने की प्लेट घर से नही लाने पर इतना मरा की छात्रा का हाथ टूट गया राजकुमारी अहिरवार को न्याय दिलाने के लिए राजकुमार अहिरवार अध्यक्ष विधानसभा बैरसिया अनुसूचित जाति विभाग कांग्रेस एवं सभी संगठन दौरा बैरसिया थाने का घेराव किया गया। गौरतलब हो कि राजधानी भोपाल के अन्तर्गत बैरसिया तहसील व विधानसभा क्षेत्र में ऐसे अमानवीय छुआछूत के आधार पर अनुसूचित जाति के साथ अन्याय हो रहा है। तब आंकलन किया जा जा सकता है कि प्रदेश के अन्य जिलों में छुआछूत का दंश कैसे अनुसूचित जाति के लोग झेल रहे होगें। जबकि स्कूलों में माध्यमन भोजन के लिए सरकार ने थाली, गिलास और प्लेट आदि भोजन के लिए उपलब्ध की है। इसके बाद भी शिक्षकों के द्वारा घर से प्लेट छ त्रा राजकुमारी अहिरवार द्वारा जातिवादी शिक्षक का आदेश न मानने पर उसे बेहरमी से छुआछूत की भावना के आधार पर मारपीट की कि छात्रा का हाथ टूट गया है। मध्यप्रदेश असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ भोपाल के प्रदेश अध्यक्ष मूलचन्द मेधोनिया ने इस गंभीर घटना पर मध्यप्रदेश के आला पुलिस अधिकारी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी से इस मामले पर शीघ्र संज्ञान लिये जाने का अनुरोध किया है। शासन /प्रशासन से अपेक्षा की है कि वह आरोपी शिक्षक को शीघ्र गिरफ्तार करें। तथा पीड़ित छात्रा की समुचित उपचार की व्यवस्था की जाये। स्कूल के आरोप शिक्षकों के खिलाफ शीघ्र एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज उन्हें नौकरी से निकाला जाये।

# ग्वालियर में होगा किसान सभा का राज्य सम्मेलन

## नरसिंहपुर जिले से 9 डेलीगेट्स करेंगे हिस्सेदारी

मूलचन्द मेधोनिया भोपाल

**गाडरवारा (जिला नरसिंहपुर)।** मध्यप्रदेश किसान सभा का12वा राज्य सम्मेलन ग्वालियर में23 ,24,25सितम्बत2022को होने जा रहा है।इस सम्मेलन का उद्घाटन राजस्थान किसान सभा के बड़े नेता एवं पूर्व विधायक अमराराम जी करेंगे एवं समापन अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक धवले एवं राष्ट्रीय वित्त सचिव पी कृष्ण प्रसाद करेंगे। यह सम्मेलन ऐसे बक्त पर हो रहा है जब किसानों का लहसुन 40पैसे प्रति किलो बिक रहा है और प्रत्येक उपज में किसानों को लूटा जा रहा है।सरकार द्वारा सँयुक्त किसान मोर्चे के13महीने के संघर्ष के बाद दिय गए लिखित बायदे के बाबजूद बादा खिलाफी की गई जिसके तहत न तो एम एस पी की गारंटीको कानूनी दर्जा दिया, बिजली बिल की बापसी न होकर पुनः ले आये ,खाद बीज की कालाबाजारी, नकली खाद बीज कीटनाशक से खेती तबाह हो रही है, तमाम कृषि संकट पर सम्मेलन में चर्चा कर तमाम सँयुक्त किसान मोर्चा के किसान संगठनों को एकजुट कर संघर्ष को गति देने बिचार विमर्श कर योजना बनाई जाएगी। सम्मेलन में नरसिंहपुर जिले से जगदीश पटेल, करणसिंह अहिरवार, रामसिंग वर्मा, लीलाधर वर्मा, गरीबदास चौधरी, भेरोपरसाद विश्वकर्मा, हरिगोविंद अहिरवार, छोटेलाल ठाकुर, दीपक वर्मा अपनी हिस्सेदारी करेंगे।

# अनूपपुर बिजली विभाग को नहीं मिल रहे है वाहन ठेकेदार , दो वर्ष की अनुबंधित अवधि शर्ते बनी रोड़ा

युवा प्रदेश ❑अनुपपुर

विद्युत विभाग विद्युत् आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालन एवं संधारण के लिए वाहन की आवश्यकत पड़ती है जिसके लिए विभाग निविदा के माध्यम से मासिक किराये से वाहन अनुबंधित करता है,जिसके लिए अनूपपुर संभागीय कार्यालय द्वारा अनूपपुर जिले के उपसंभाग ,उपकेंद्र के लिए अलग अलग निविदा निकाली गई ,लेकिन निविदा में मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के जारी नए शर्त के अनुशार सिर्फ दो वर्ष हेतु (एक वर्ष निविदा समयकाल एक वर्ष विस्तार अवधि ) वाहन अनुबंधित लागु होने के कारण विभाग के सभी वाहन ठेकेदार इस नई व्यवस्था

के बाद काम लेने से कतरा रहे है ,बिभाग को पांच पांच बार निविदा रिकॉल करनी पड़ रही है। स्थानीय वाहन ठेकेदार बताते है कि पहले की तुलना में अब काम करना मुश्किल हो गया है। पहले एक वाहन लगभग पांच वर्ष तक अनुबंधित किया जाता था अब दो वर्ष कर दिया गया है ,लगातार महगाई बढ़ने से वाहन की कीमते लगभग पिछले पांच सालो में 4 लाख तक की बढ़ोत्तरी हो गई है ,लेकिन हमें लगभग 5 साल पुराना रेट मिल रहा बिभाग द्वारा रेट रिवाइज़ नहीं किया जा रहा है ,साथ ही पूरे मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में डीजल दर सबसे ज्यादा महंगा होने के बाबजूद भी हमें अनूपपुर का स्थानीय डीजल दर नहीं दिया जाता यह दर जबलपुर से निर्धारित होकर प्रति लीटर चार से पांच रूपये कम दिया जाता है ,एक वाहन के तीन हजार किलोमीटर चलने पर पच्चीस हजार का बेस रेट दिया जाता है ,डीजल वैरिएशन मिलकर यह महीने में लगभग कुल भुगतान पैतीस से पैतालीस हजार तक होता है साथ ही वाहन किलोमीटर कम चलने पर कटौती भी कर दी जाती है ,पैतीस से चालीस हज़ार रूपये में विभाग को वाहन शोरूम कंडीशन में साथ में 12 घंटे ड्राइवर और 3000 किलोमीटर के लिए डीजल भी ठेकेदार द्वारा उपलब्ध कराना होता है ,इसके अलावा ठेकेदार को सालाना बीमा वाहन मरम्मत अलग से करवाना पड़ता है , स्वाभाविक वो ठेकदार जिन्होंने लोन लेकर लाखों की गाड़ियां विभाग में लगवाई हैं वो दो वर्ष बाद कहाँ जाएंगे, कार का लोन कैसे चुकता करेंगे, उनके सामने सबसे बड़ा संकट बेरोजगारी का खड़ा हो जाएगा। ऐसे में उनका काम करना मुश्किल होता जा रहा है। लेकिन विभाग ने फरमान जारी किया है तो मानना होगा।

## जनता ओर देश की तुलना 70 वर्ष से मत करिये

15 लाख के जुमले ओर मॅहगाई से भरपाई हो गई है

गैस पेट्रोल डीजल के दाम दुगने मत करिये
देश मे गरीबी बेरोजगारी चरम पर गई गई है

बेगारी बेरोजगारी का दौर पैदा मत करिये
प्राइवेटीकरण युवा ओर योग्यता का शोषण हो गई है

अंग्रेजो की नकल भारत मे मत करिये
राजनीति मे भी खरीदी फरौती ओर दलाली हो गई है

बिकास की रफ्तार इतनी तेज मत करिये
अब तो अटा ओ पेट पर भी त्रस्त्र हो गई है

देश की सरकारी सम्पत्ति नीलम मत करिये
निजीकरण से पूजीपतियों की आय दुगनी हो गई है

सबंधो मे कग्रेस बीजेपी मत करिये
आज कल नेताओं की मिली जुली सरकार हो गई है

शिक्षा ओर भबिष्य का निजीकरण मत करिये
जानता अपनी वोट की पहचान कर गई है

राजनीति मे ज्यादा कफ़न पैदा मत करिये
सिस्टम ओर राजनीति परिवार बाद की हो गई है

रैली ओर प्रचार मे करोड़ो रुपये खर्च मत करिये
किसानो की आय घोषणाओ मे दुगनी हो गई है

-मोहन मांडरे
विदिशा

### ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छता अभियान का क्रियान्वयन

# जिंप सीईओ ने भ्रमण कर जायजा लिया और नागरिकों को अभिप्रेरित किया

युवा प्रदेश ❑ विदिशा

सेवा पखवाड़ा अन्तर्गत बुधवार को साफ-सफाई व स्वच्छता पर आधारित कार्यों का सम्पादन नगरीय निकाय क्षेत्रों के साथ-साथ पंचायतों में एक साथ आयोजित किया गया था। जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने नटेरन, ग्यारसपुर, विदिशा विकासखण्डों की ग्राम पंचायतों में पहुंचकर ग्रामीण स्वच्छता अभियान की जानकारी ही नहीं दी बल्कि ग्रामीणजनों के साथ साफ-सफाई के कार्यों में हाथ बंटाया है। उन्होंने ग्रामीणजनों से आव्हान किया कि वे साफ-सफाई जैसे महत्वपूर्ण कार्य को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं ताकि हमारा ग्राम पूर्ण स्वच्छ रहे कि मंशा पर जिले के सभी ग्राम पंचायतें खरे उतरें। उन्होंने बताया कि स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को शासन स्तर से पुरस्कृत किया जाता है। इन पुरस्कारों में विदिशा जिला पीछे ना रहे यह हम सबकी नैतिक जबावदेंही है। जिला पंचायत सीईओ डॉ भरसट ने ग्रामीणजनों से संवाद के दौरान कहा कि हम आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण कैसे दें इसके लिए अभी से हम सबको उन कार्यों को करना होगा जिससे ग्राम पंचायतें पूर्ण स्वच्छ परिलीक्षित हों। उन्होंने ग्राम पंचायतों में शासकीय योजनाओं के सुपात्रों को शीघ्र अतिशीघ्र लाभ दिलाए जाने पर बल देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत चिन्हित 15 विभागों की 33 सेवा योजनाओं का लाभ ग्राम पंचायतों के सभी पात्रताधारियों को दिलाया जाना सुनिश्चित किया गया हैं इस कार्य में कोई भी पंचायत का पात्रताधारी वंचित ना रहे इसके लिए ग्रामीणजनों को भी आगे आना होगा। और वे स्वयं सर्वे दल को इस बात से अवगत करा सकते हैं। कि हमारे ग्राम पंचायत में कुल इतने व्यक्ति हैं जो इस-इस योजना के तहत पात्रता रखते हैं। और इन सबको लाभ दिलाया जाना है। जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने विदिशा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पीपलखेड़ा में साफ-सफाई कार्यों में सहभागिता निभाई उन्होंने पंचायत के हाट बाजार मोहल्ले में साफ-सफाई के अभियान में आमजनों से सहभागिता निभाने की अपील की। इसी प्रकार नटेरन विकासखण्ड की ग्राम पंचायत आमखेड़ा, कालू, वर्धा में वाटरशेड एवं स्वच्छता गतिविधियों का जायजा ही नहीं लिया।

# टीकमगढ़ जिले में जिला न्यायालय के सामने गुप्ता लॉज में जन आवाज मंच का एक जिला स्तरीय सम्मलेन का आयोजन

**टीकमगढ़।** आज टीकमगढ़ जिले में जिला न्यायालय के सामने गुप्ता लॉज में जन आवाज मंच का एक जिला स्तरीय सम्मलेन का आयोजन किया गया जिसमें जन आवाज मंच के प्रदेश अध्यक्ष लीलाधर अहिरवार कार्यालय प्रभारी गोविंद सिंह सागर जिला अध्यक्ष अभिनय श्रीवास, जबलपुर से श्री सुखदेव जी, सी आर पी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सीताराम प्रजापति आजीविका मिशन कर्मचारी अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण चौरसिया पूर्व सरपंच अशोक यादव समाजसेवी के पी अहिरवार जयबिन्द अहिरवार,प्रांजल रावत जी, अजय दुबे,अरविंद सिंह चंदेल रज्ज़ाक जी,सहित सैकड़ों सी आर पी, कर्मचारी अधिकारी साथी शामिल रहे सम्मेलन में सर्वसम्मति से श्री अशोक यादव जी सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष चुना गया वर्तमान में कर्मचारियों सहित विभिन्न मुद्दों पर सभी ने अपने अपने विचार रखे व सभी ने कहा कि आज हर वर्ग पीड़ित है पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है जन आवाज मंच हर वर्ग की बात सरकार तक पहुचाने का कार्य करेगा सागर में 25 सितंबर दिन रविवार को एक संभागीय सम्मेलन किया जा रहा है जिस हेतु सभी को आमंत्रित भी किया गया टीम-जन आवाज मंच भोपाल।

# विदिशा में युवक के साथ कुकर्म : पुलिस ने 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार, 2 नाबालिग भी शामिल

युवा प्रदेश ❑ विदिशा

विदिशा में नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जिसमें दुर्गा वाले को पिछले 15 दिनों से नाबालिग के साथ दुराचार कर रहे थे। जिसके बाद फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। विदिशा के कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाले एक 13 वर्षीय किशोर के साथ 3 आरोपियों द्वारा अप्राकृतिक कृत्य किया गया। आरोपी पिछले 15 दिनों से दुराचार कर रहे थे। दुराचार का आरोप 2 नाबालिग और एक युवक के ऊपर है। कोतवाली थाना प्रभारी आशुतोष सिंह ने बताया फरियादी की शिकायत के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ पॉस्को एक्ट सहित धारा 377 के तहत कार्रवाई की है।

### आग लगने से बढ़ा भरण-पोषण का संकट

# किसान की दो मुर्रा भैंस और दो जर्सी गाय बुरी तरह जलीं, मौके पर हुई मौत

**सीहोर।** जिले के गांव छापरी कलां में अचानक आग लगने से एक परिवार को भारी नुकसान हुआ है। परिवार का पालन पोषण दूध बेचकर होता था। आग लगने से उनके चार मवेशियों की मौत हो गई है। इनमें दो मुर्रा भैंस और दो जर्सी गाय बुरी तरह जल गई, जिससे भैंस और गाय की मौके पर ही मृत्यु हो गई। ग्रामीणों ने मिलकर जैसे तैसे आग पर काबू पाया। इस बात की जानकारी ग्रामीणों ने समाजसेवी एमएसमेवाड़ा को दी। उन्होंने मौके पर पहुंचकर डॉक्टर, पशुपालन विभाग और पटवारी व पीड़ित के बेटे महेन्द्र मेवाड़ा ने पुलिस प्रशासन को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया गया। लोगों ने मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित राय सिंह मेवाड़ा और महेंद्र मेवाड़ा को आरवीसी राजस्व 6-4 में राहत राशि मिले। आग लगने से चार मवेशी की मौत हो गई है, जिनमें दो दुधारु मुर्रा भैंस कीमत 75-75 हजार रुपए थी, जिससे राय सिंह पिता नारायण सिंह को छति हुई और दो जरसी दुधारू गाय से महेन्द्र मेवाड़ा पिता राय सिंह को भी छति हुई है। चारों मवेशी की मौके पर ही मौत हो गई है। इस परिवार का पालन पोषण इन भेसों व गायों का दूध बेचकर ही चल रहा था।

### मौके पर यह लोग रहे मौजूद

मौके पर पटवारी, पुलिस और डॉक्टर पशुपालन, गांव के चौकीदार रमेश मालवीय, ग्राम के पंच ग्राम छापरी कला की सरपंच तेजू बाई मालवीय ने पंचनामा पर हस्ताक्षर किए।

# जुआरी के हौसले बुलंद, टीम बनाकर करते है काम

### पुलिस को चकमा देने के लिए मुख्य मार्गो पर मुखविर टीम

### बारह कला और कैलकछ के पास जुआरियो का लगता है मेला

मिथलेश मेहरा

**उदयपुरा/रायसेन।** उदयपुरा पुलिस लाख प्रयास करे जुआरियो को पकड़ने की लेकिन आधुनिक क्रांति के चलते पुलिस को खुली चेतवानी देकर मास्टर माइंड जुआ फाड़ चला रहे है हम बात कर रहे है उदयपुरा थाना की जंहा जुआरियो का खुला चैलेंज रहता है उदयपुरा के ग्राम बारह कला और कैल कछ और आस पास जुआरियो का मेला लगता है जंहा नाल प्रक्रिया चलती है लेकिन इनका भी आधुनिक युग मे मुखविर तंत्र है जो पुलिस के वाहनों को देखकर जुआ खिलाने वाले मुखिया तक सूचना तत्काल पहुचा देते है और जुआरियो के द्वारा स्थान बदल दिया जाता है लेकिन यह प्रश्न चिन्ह पुलिस पर उठता है आखिर क्या पुलिस तंत्र से मजबूत जुआरियो का मुखविर तंत्र है हालांकि पुलिस के द्वारा भरपक प्रयास किया जा रहा की यह लोग जल्द पुलिस गिरफ्त में हो लेकिन केवल असफलता ही हाथ लग रही है आखिर कंही न कंही इनको पर्दे के पीछे कौन सफेद पोश संरक्षण दे रहा है यह तो पुलिस कार्यवाही के बाद ही उजागर होगा लेकिन एक कहावत प्रशिद्ध है कानून के हाथ लम्बे होते है और पुलिस पानी का डूबा भी नही छोड़ती अव इंतजार यह है की उदयपुरा पुलिस इन पर कव और कैसे कार्यवाही करती है ।

### इनका कहना है...

हमारे द्वारा इनको लेकर सख्त कार्यवाही की जाएगी जल्द जुआरियो को पुलिस अपनी गिरफ्त में लेगी हमारा प्रयास जारी है शीघ्र छापामार कार्यवाही की जाएगी -राजीव जांगले -एस डी ओ पी बरेली

# गुना में स्थापित होगी माता की हंसमुख प्रतिमा : जबलपुर में हो रही तैयार; महावीरपुरा में सप्तमी को होगी विशाल आरती

❑गुना

गुना के महावीरपुरा में माता की हंसती हुई प्रतिमा स्थापित होगी। पिछले सात वर्षों से यहां जबलपुर से लाकर माता की हंसमुख प्रतिमा ही स्थापित की जा रही है। इस बार भी जबलपुर में ही मूर्ति बन रहे है। विशेषता यही है कि, इस बार माता की प्रतिमा और ज्यादा हँसमुख है। 5.5 फीट की प्रतिमा तैयार हो रही है। 25 सितंबर को प्रतिमा गुना पहुँचेगी। मां चामुंडा दरबार झांकी समिति महावीरपुरा के अध्यक्ष जगदीश कुशवाह ने बताया कि इस जगह पिछले 32 वर्षों से माता की झांकी लगाई जा रही है। दूर-दूर से लोग इसे देखने आते हैं। पिछले 7 वर्षों से माता की हँसमुख प्रतिमा स्थापित की जा रही है। माता की बैठी हुई पायल पहनने वाली प्रतिमा भी पहली बार इसी समिति ने स्थापित की थी। वह भी श्रद्धालुओं को काफी पसंद आई थी। अध्यक्ष ने बताया कि इस बार भी प्रतिमा जबलपुर में तैयार हो रही है। मूर्तिकार राजेश अहिरवार प्रतिमा तैयार कर रहे हैं। 5.5 फीट की प्रतिमा बनाई जा रही है। इस बार की प्रतिमा की विशेषता यही है कि माता का चेहरा और ज्यादा हँसमुख है। उनकी मुस्कान पिछली बार से ज्यादा है। सप्तमी के दिन यहां विशाल आरती का आयोजन किया जाता है। इसमे नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होते हैं।

# युवाओ में बढ़ता नशा का शौक, खुलेआम विकता ही नाक के नीचे गांजा

**मिथलेश मेहरा**

उदयपुरा। केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार भले ही नशा मुक्ति को लेकर विज्ञापनों और एन जी ओ पर करोडो की योजना चलाकर जन जागृति चला रही हो लेकिन उदयपुरा नगर में खुलेआम अब युवाओ को गांजे की फुक्की लगाते हुए आसानी से देखा जा सकता है ।उदयपुरा पुलिस के द्वारा भले ही अपराध को लेकर अंकुश लगाने का प्रयास किया जाता रहा हो लेकिन अभी तक नशा बेचने वाले माफियाओ के गिराहवान तक हाथ नहीं पहुच पाये है जंहा युवाओ को अच्छे संस्कार मिलना चाहिए ताकि वह समाज और देश हित के लिए कार्य करे लेकिन धीरे धीरे नशा का सेवन युवाओ को अंदर ही अंदर दीमक की तरह खोकला करता जा रहा है वैसे तो नशे में सिगरेट ,तंबाखू,शराव, अफीम ,गांजा जैसे कई मादक पदार्थ नगर में वेचे जा रहा है जंहा एक और लेकिन शराव की अपेक्षा अब लोग ज्यादातर गाँजे के सेवन पसंद कर रहे है सूत्रों की माने तो नगर में कई स्थानों पर गांजा खुलेआम पुलिस की नाक के नीचे से बेचा जा रहा इसका अंदाज इससे लगाया जा सकता है अभी तक बीते चार वर्ष पूर्व तत्कालीन थाना प्रभारी रहे प्रीतम सिंह ठाकुर ने ही कई किलो गांजा वरामद कर गांजा माफियाओ पर एक बड़ी कार्यवाही की थी उसके बाद से गाँजे को लेकर छुट-पुट पुलिस केश दर्ज कर अपनी खाना पूर्ति कर लेती है लेकिन जो वर्षो से खुलेआम गांजा बेच रहे है उन पर कोई बड़ी कार्यवाही करने में असफल रही है । वही नगर में अब अभिभावकों को किशोरों को लेकर चिंता की लकीरें साफ़ नज़र आ रही है वहीँ मंच पर राजनीती की बात करने वाले जन प्रतिनिधि अपने अपने पार्टी के मुखियाओं की तारीफ के पुल बांधते है लेकिन नगर में जो नशे की दीमक अपना पैर तेजी से पसार रही है उस पर अंकुश लगाने की बात कभी किसी राजनैतिक ने नहीं कही वहीँ अत्यधिक गाँजे के सेवन से नगर के कई युवाओ को मानसिक बीमारी की चपेट में ले लिया है अब देखना यह है कि इस गंभीर विषय पर नगर के समाज सेवी,राजनैतिक पार्टी के नेता,और पुलिस प्रशाशन किस तरह अंकुश लगाने का प्रयाश करता है।

## संपादकीय

# क्यों घर में 'नजरबंद' हैं नेपाल के चीफ जस्टिस

नेपाल में 20 सितंबर 2015 को संविधान सभा से संविधान जारी किया गया था। उसी संविधान के तहत नेपाल में दूसरी बार केंद्रीय संसद (प्रतिनिधि सभा) और सात राज्यों की प्रदेश सभा के चुनाव आगामी 20 नवंबर को होने जा रहे हैं। सरकार, निर्वाचन आयोग और राजनीतिक दल सभी चुनावी तैयारियों मे लगे हुए हैं। प्रतिनिधि सभा का कार्यकाल दो दिन पहले समाप्त हो चुका है। नेपाली कांग्रेस के नेता प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा काम चलाऊ प्रधानमंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। डुइन परिस्थितियों में प्रधान न्यायाधीश (चीफ जस्टिस) का प्रकरण नेपाली राजनीति की एक चुनौती के रूप में सामने आया है। चीफ जस्टिस चौलेंद्र शमशेर जबरा पर 7 महीने पहले 13 फरवरी को प्रतिनिधि सभा में सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस, माओवादी, एकीकृत समाजवादी सहित 5 दलों की ओर से महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। लेकिन उस महाभियोग प्रस्ताव को तार्किक परिणति तक पहुंचाए बगैर ही मौजूदा संसद का कार्यकाल समाप्त हो गया। इस पूरे विवाद की जड़ यही है। महाभियोग प्रस्ताव संसद में लाए जाने के साथ ही प्रधान न्यायाधीश जबरा संविधान की व्यवस्था के तहत अपने पद से निलंबित हो गए थे। लेकिन संसद का कार्यकाल समाप्त होते ही उन्होंने इस पद पर खुद के बहाल होने का दावा ठोक दिया है। उन्होंने शनिवार शाम को सर्वोच्च अदालत प्रशासन को संदेश भेजा कि 'रविवार से बतौर प्रधान न्यायाधीश मैं अदालत आऊंगा।' उनका तर्क है कि जिस संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, अब वह संसद ही नहीं रही तो यह प्रस्ताव स्वत- निष्फल हो गया। इसके विपरीत सरकार और इसमें शामिल दलों का कहना है कि संसद की समिति ने जबरा पर महाभियोग लगाने को सही ठहराया है और वह अभी भी निलंबित हैं। अगली संसद उनके महाभियोग के बारे में निर्णय करेगी। तीन महीने बाद 27 दिसंबर को जबरा की सेवानिवृत्ति होनी है। सरकार चाहती है, तब तक वह अदालत में न बैठ सकें।अदालत जाने का जबरा का संदेश मिलने के बाद रविवार को सरकार ने उनके आधिकारिक निवास के बाहर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए। जबरा ने आरोप लगाया, 'सरकार ने हमें नजरबंद कर दिया है।' राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का ध्यान भी इस ओर गया है। आयोग ने जबरा के घर पर बढ़ाई गई सुरक्षा तैनाती को लेकर आपत्ति जताई है। लेकिन सरकार कह रही है कि उनकी सुरक्षा के मद्देनजर यह व्यवस्था की गई है।ध्यान रहे, पिछले साल 12 जुलाई को जबरा के नेतृत्व वाली पीठ के ही आदेश पर तत्कालीन प्रधानमंत्री ओली सरकार से बाहर हुए थे और देउबा प्रधानमंत्री बने थे।

# भारत विश्व गुरु फिर से बन सकता है लेकिन उसके लिए बहुत कुछ करना होगा

*अंग्रेजों के बारे में भी कहा जाता है कि वे व्यापार के लिए आए थे पर शायद उनका भी अप्रत्यक्ष कार्यक्रम भारत में ईसाईयत फैलाना ही था। वरना वे पादरियों को साथ क्यों लाए थे? ईसाई धर्म की पुस्तकें भी साथ क्यों लाए थे? इसीलिए कहा जाता है कि पहला स्वतंत्रता युद्ध वर्ष 1857 में नहीं हुआ था बल्कि इसके पूर्व भी इस प्रकार के युद्ध भारत में होते रहे हैं। रानी अबक्का (कालिकट) ने पुर्तगालियों से युद्ध किया था और यह विरोध वर्ष 1554 आते आते बहुत बढ़ गया था।*

**भारत** में अब स्व पर आधारित दृष्टिकोण को लागू करने की सख्त आवश्यकता है। जापान, इजरायल, ब्रिटेन, जर्मनी आदि देशों ने भी अपने नागरिकों में स्व का भाव जगाकर ही अपने आपको विकसित देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया है। किसी भी देश में सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए स्व आधारित सामूहिक दृष्टिकोण होना आवश्यक है। भारत के संदर्भ में स्व का मूल हिंदुत्व में ही निहित है, और भारत में स्व आधारित इतिहास मिलता है। इस दृष्टि से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम भी एक आध्यात्मिक एवं नैतिक कार्य था, क्योंकि यह भारत में पुन: सनातन धर्म को स्थापित करने हेतु किया गया संघर्ष था। महर्षि श्री अरबिंदो ने तो इसी कारण से उस समय पर कहा भी था कि स्व आधारित स्वतंत्रता संग्राम को हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों में ले जाने की आवश्यकता है। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1498 में वास्को डिगामा पुर्तगाल से कालिकट में व्यापार करने नहीं आया था, बल्कि वह सम्भवत: ईसाई धर्म का प्रचार प्रसार करने के लिए आया था। अंग्रेजों के बारे में भी कहा जाता है कि वे व्यापार के लिए आए थे पर शायद उनका भी अप्रत्यक्ष कार्यक्रम भारत में ईसाईयत फैलाना ही था। वरना वे पादरियों को साथ क्यों लाए थे? ईसाई धर्म की पुस्तकें भी साथ क्यों लाए थे? इसीलिए कहा जाता है कि पहला स्वतंत्रता युद्ध वर्ष 1857 में नहीं हुआ था बल्कि इसके पूर्व भी इस प्रकार के युद्ध भारत में होते रहे हैं। रानी अबक्का (कालिकट) ने पुर्तगालियों से युद्ध किया था और यह विरोध वर्ष 1554 आते आते बहुत बढ़ गया था। स्वतंत्रता संग्राम की मूल प्रेरणा भी स्व का भाव ही थी। यह युद्ध भी स्व के लिए ही था। इसलिए आज स्व के भाव को समाज में ले जाने के प्रयास हम सभी को करने चाहिए। देश के इतिहास को कैसे बदला जाता है और इसका समाज पर कैसा प्रभाव पड़ता है यह भारत की स्थिति में स्पष्ट रूप से उभर कर सामने आता है। अपने ही देश का गलत इतिहास पढ़कर समाज निरुत्साहित हो जाता है। जैसा कि भारत के बारे में अंग्रेज कहते थे कि भारत एक देश नहीं है बल्कि यह टुकड़ों टुकड़ों में बटां कई राज्यों का

एक समूह है, क्योंकि यहां के विभिन्न भौगौलिक क्षेत्रों पर अलग अलग राजाओं का राज्य स्थापित था। अंग्रेज कहते थे कि उन्होंने इन समस्त राजाओं को एक किया और भारत को एक देश बनाया। जबकि

**■ वर्ष 1498 में वास्को डिगामा पुर्तगाल से कालिकट में व्यापार करने नहीं आया था, बल्कि वह सम्भवत: ईसाई धर्म का प्रचार प्रसार करने के लिए आया था।**

देश के विभिन्न भूभाग पर अलग अलग राजा राज्य जरूर करते थे परंतु वे स्व के भाव को लेकर भारत को एक महान शक्ति बनाए हुए थे। देश के नागरिकों में नकारात्मक भाव विकसित करने वाले व्यक्ति, देश के नागरिकों का मानसिक और बौद्धिक विनाश करते हैं और ऐसा अंग्रेजों ने भारत में किया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों द्वारा सनातन हिंदू बुद्धिजीवी पुस्तकों का योजनाबद्ध तरीके से एक तरह का संहार किया गया था।ब्रिटिश शासन काल में अंग्रेजों ने जाति और साम्प्रदायिक चेतना को उकसाते हुए प्रतिक्रियावादी ताकतों की मदद भी की थी। ईस्ट इंडिया कम्पनी शासनकाल में, पश्चिमी सभ्यता के आगमन के फलस्वरूप ईसाई मिशनरियों की गतिविधियां सक्रिय रूप में काफी व्यापक हो गई थीं। ये मिशनरियां ईसाइयत को श्रेष्ठ धर्म के रूप में मानती थीं और पश्चिमीकरण के माध्यम से वे भारत में इसका प्रसार करना चाहती थीं, जो उनके अनुसार धर्म, संस्कृति और भारतीयता के स्व में यहां के मूल निवासियों के विश्वास को नष्ट कर देगा। इस दृष्टि से ईसाई मिशनरियों ने उन कट्टरपंथियों का समर्थन किया, जिनका वैज्ञानिक दृष्टिकोण, उनके अनुसार, भारतीय देशी संस्कृति और विश्वासों तथा भारतीयता के स्व को कमजोर करने वाला था। साथ ही उन्होंने साम्राज्यवादियों का भी समर्थन किया, क्योंकि उनके प्रसार के लिए कानून और व्यवस्था एवं ब्रिटिश वर्चस्व का बना रहना आवश्यक था। भारतीय नागरिकों में जब जब स्व की प्रेरणा जागी है तब तब भारत जीता है। वर्ष 1911 में बंगाल में एक प्रेजीडेन्सी के विभाजन किए जाने के विरुद्ध पूरा भारत एक साथ उठ खड़ा हुआ था। जबकि, वर्ष 1947 में भारत के विभाजन को रोकने ने लिए संघर्ष क्यों नहीं हुआ। क्योंकि इस खंडकाल में भारत में नागरिकों के स्व के भाव को व्यवस्थित तरीके से अंग्रेजों ने कमजोर कर दिया था। अंग्रेजों ने सोची समझी रणनीति के अंतर्गत मुस्लिम अतिवादी संगठनों, जैसे मुस्लिम लीग, आदि को बढ़ावा दिया। कांग्रेस जो कभी हिंदू पार्टी मानी जाती थी उन्होंने अपने ऊपर इस लेबल को हटाने के लिए मुस्लिमों की जायज/नाजायज मांगें माननी शुरू कर दीं ताकि वह एक धर्मनिरपेक्ष (सेक्युलर) पार्टी कहलाए। हालांकि, इसके बाद कांग्रेस का झुकाव भी मुस्लिमों की ओर होता चला गया एवं कांग्रेस में हिंदुओं का तिरस्कार प्रारम्भ हो गया था। वर्ष 1923 आते आते कांग्रेस ने वन्दे मातरम गीत को अपने विभिन्न आयोजनों से बाहर कर दिया। नेताजी सुभाषचंद्र बोस को कांग्रेस में अप्रासंगिक बना दिया गया। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरबिंदो, वीर सावरकर, आदि जिन्होंने भारत के नागरिकों में स्व के भाव को जगाया था उनके योगदान को भी व्यवस्थित तरीके से भुला दिया गया। भारत को भाषाई आधार पर भी विभिन्न टुकड़ों में बांटने के प्रयास हुए।दुर्भाग्य से भारत, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी, अपने नागरिकों में स्व का भाव जगाने में असफल रहा है क्योंकि भारत में जिस प्रकार की नीतियों को लागू किया गया उससे देश के नागरिकों में देशप्रेम की भावना बलवती नहीं हो पाई एवं स्व का भाव विकसित ही नहीं हो पाया। अंग्रेजों एवं विदेशी आक्रांताओं ने अपने अपने शासनकाल में भारत की सांस्कृतिक विरासत पर जो आक्रमण किया था, उसका प्रभाव वर्ष 1947 के बाद भी जारी रहा। जबकि आजादी प्राप्त करने के बाद देश के नागरिकों में देशप्रेम की भावना विकसित कर स्व का भाव जगाया जाना चाहिए था क्योंकि भारत की महान संस्कृति के चलते ही भारत का आर्थिक इतिहास बहुत ही वैभवशाली रहा है। भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है।भारत में अब स्व पर आधारित दृष्टिकोण को लागू करने की सख्त आवश्यकता है। जापान, इजरायल, ब्रिटेन, जर्मनी आदि देशों ने भी अपने नागरिकों में स्व का भाव जगाकर ही अपने आपको विकसित देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया है। भारत सहित उक्त चारों देशों ने भी एक तरह से वर्ष 1945 के द्वितीय विश्व युद्ध अथवा इसके पश्चात ही विकास प्रारम्भ किया है। भारत चूंकि वर्ष 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात अपने नागरिकों में स्व का भाव जागृत नहीं कर सका अत: वह आज भी विकासशील देश की श्रेणी में संघर्ष कर रहा है। स्व आधारित दृष्टिकोण के अभाव में भारत को आज जिस स्थान पर पहुंच जाना चाहिए था, वहां नहीं पहुंच सका है। अत: भारत को यदि पुन: विश्व गुरु बनना है तो अपने नागरिकों में स्व का भाव जगाना ही होगा।

# पंजाब में बढ़ रहे धर्मांतरण के मामले बड़ी साजिश के संकेत देते हैं

भारतवर्ष की भौगोलिक सीमाओं पर गत 1200 वर्षों से सेमेटिक पन्थों के सशस्त्र और वैचारिक आक्रमण होते रहे हैं। 'व्हाइट मेंस बर्डन' या 'गजवा-ए-हिन्द' के आधार पर सेमेटिक पन्थावलम्बियों ने ऐसे आक्रमणों को अपना बाइबल या कुरान प्रदत्त अधिकार माना है। कैथोलिक पादरियों की बैठक में तमिलनाडु के जॉर्ज पोन्नैया ने कहा कि केवल ईसा मसीह ही असली भगवान हैं। जो उन्होंने कहा उसके अर्थ साफ हैं और जो नहीं कहा उसके अर्थ भी उसी तरह स्पष्ट हैं जैसे सिक्के का दूसरा पहलू, जैसे दिशा का दूसरा छोर, कि ईसा के अतिरिक्त कोई दूसरा भगवान नहीं। पादरी के इस तरह के दावों से दुख तो हुआ परन्तु आश्चर्य नहीं। ऊंची-ऊंची बातें करने वाले विदेशी मूल के इब्राहिमिक मजहब ऐसा ही दावा करते हैं, कि जो उनके आराध्य हैं वही केवल ईश्वर हैं और बाकी

सब शैतान। और जो इनके एकमात्र ईश्वर या पैगंबर को नहीं मानते वे नास्तिक, काफिर या 'नॉन बिलीवर' की अपमानजनक संज्ञा पाते हैं। इन्हीं काफिरों या 'नॉन बिलीवरों' को अपने तम्बू में लाना, उनका मार्ग बदलना इन सामी पन्थियों का धार्मिक दायित्व माना जाता है। इसी पवित्र कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए कोई मुट्ठी भर चावल लेकर आता है तो दूसरा उसी मुट्ठी में जिहादी तलवार। असल में यहीं से शुरू होता है नस्लीय श्रेष्ठता का अहंकार, काले-गोरे का भेद, धार्मिक टकराव, पन्थिक तनाव जो अन्ततः बढ़ता-बढ़ता आतंकवाद का रूप धर लेता है। अल कायदा, आईएसआईएस और तालिबान वाले भी तो अपने-अपने तरीके से मजहब की ही तो सेवा कर रहे हैं। दुनिया में आज तक जितने युद्ध, आतंकी हमले, दूसरे देशों पर हमले हुए इनमें अधिकतर के पीछे यही विचार ही कारण रहा कि 'मेरा ईश्वर ही असली ईश्वर, मेरा पैगंबर ही सच्चा पैगंबर, मेरा ग्रन्थ ही इलाही हुक्म, बाकी सब झूठ।' इन लोगों व विचारों को या तो अपने जैसा बनाओ या मिटा दो, यही सेमेस्टिक मजहब है।आजकल ऋषि और कृषि की धरती पंजाब में ईसाई पादरी जम कर आत्माओं की फसल काट रहे हैं और नॉन बिलिवरों को प्रभु ईसा मसीह की भेड़ बना कर अपने बाड़े भर रहे हैं। भोले-भाले लोगों को यही पढ़ाया जा रहा है कि ईसा, चर्च और बाइबिल ही श्रेष्ठ बाकी सब बकवास। इसी कारण लोग घरों से गुरुओं व देवी-देवताओं की तस्वीरें उतार कर सूली वाली तस्वीरें टांग रहे हैं। शाहपुरकण्डी इलाके में जुगियाल में एक सिख बच्ची ने ही गुरुद्वारे से कड़ाह प्रसाद लेने से इनकार कर दिया।

# पैसा खुदा तो नहीं, लेकिन...

कहते हैं पैसा बहुत बुरी चीज है। लेकिन इसका ठीक उलटा कहा था राजनीति के एक चुतर खिलाड़ी ने, जो एक पूर्व रियासत के पूर्व राजा तो थे ही, उस समय केंद्रीय मंत्री पद पर भी विराजमान थे। उनके बहुचर्चित शब्द थे, 'पैसा खुदा तो नहीं, लेकिन खुदा कसम, खुदा से कम भी नहीं।' हालांकि उनके नाम के साथ इन शब्दों के बाहर आ जाने के बाद उनकी जो गत हुई, उससे इस बात पर बहस की पूरी गुंजाइश बन गई कि वह राजनीति के चतुर खिलाड़ी थे भी या नहीं और अगर थे भी तो कितने। इस प्रकरण ने कुल मिलाकर एक बार फिर उनकी बात को गलत ही साबित किया। यानी इससे यह तो नहीं साबित हुआ कि पैसा खुदा या खुदा से कम ज्यादा कुछ है, यह जरूर साफ हो गया कि वह अच्छे भले चल रहे राजनीतिक करियर का भट्ठा बैठा सकता है।बहरहाल, पैसे को बुरा बताने वाली पारंपरिक, पारिवारिक सोच से जुड़े या खुद को इससे जुड़ा मानने वाले लोगों पर नजर डालें तो उनके निष्कर्ष के पीछे दो बातें दिखती हैं। एक तो यह कि कैसे पैसा या संपत्ति पारिवारिक मूल्यों का सत्यानाश कर देती है। जो भाई बचपन में एक-दूसरे पर जान छिड़कते थे, वही जमीन-जायदाद के झगड़े में एक-दूसरे के खून के प्यासे हो जाते हैं। दूसरा कारक है वंचित महसूस करना। ऐसे बंटवारों या विवादों में जिस पक्ष के हाथ कुछ नहीं आता या जिसे ऐसा लगता है कि दूसरों ने छल-प्रपंच वगैरह के जरिए उसे उसके हक से वंचित कर दिया, उसी के मुंह से ये ज्ञानात्मक सूक्तियां निकलती हैं। जिसने अपने हक के रूप में या दूसरों का हिस्सा मारकर भी संपत्ति का बड़ा हिस्सा हासिल कर लिया होता है।

# मुख्यमंत्री जी ने विदिशा जिले के दो प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित किया

## प्रदेश स्तरीय प्लेसमेंट सूची में प्रथम व तृतीय स्थान हासिल, प्रशिक्षणार्थी सम्मानित

**युवा प्रदेश ❑ विदिशा**

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने आज भोपाल के स्व. कुशाभाउ ठाकरे हाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय कौशल दीक्षांत समारोह में विदिशा जिले के दो प्रशिक्षणार्थियों को प्लेसमेंट के संबंध में जारी प्रदेश स्तरीय प्रवीण्य सूची में उच्च शिखर के स्थान हासिल करने पर सम्मानित किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शासकीय आईटीआई के प्रशिक्षणार्थी श्री भगवानसिंह अहिरवार को बेस्ट प्लेसमेंट में मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया है। जबकि विदिशा जिले में गंज बासौदा की कंचन दांगी ने स्टेनों व्यवसाय के प्लेसमेंट में प्रदेश स्तर की प्रवीण्य सूची में स्थान हासिल करने पर कंचन दांगी की अनुपस्थिति में उनके पिता को स्मृति चिन्ह प्रदाय कर सम्मानित किया गया है।

## आतिशबाजी अस्थाई लायसेंस के लिए 10 अक्टूबर तक करें ऑनलाइन आवेदन

**सीहोर।** जिले मेंआतिशबाजी विक्रय के लिए अस्थाई लायसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया 19 सितम्बर से प्रारंभ की जा चुकी है।आतिशबाजी विक्रय करने के इच्छुक व्यक्तियों को लायसेंस प्राप्त करने के लिए 10 अक्टूबर तक ऑनलाइन आववेदन करना होगा। अतिशबाजी विक्रय व्यवसाय को सुलभ बनाने के लिए विस्फोटक अधिनियम के तहत विस्फोटक सामग्री, निर्माण, संधारण, परिवहन, विक्रय एवं चोरसा पटाखे विक्रय के लिए एनओसी, अनुज्ञप्ति से संबंधितचिन्हित 19 सेवाओं को एमपी ई-सर्विस पोर्टल के माध्यम से पूर्णत :ऑनलाइन करने की नवीन व्यवस्था प्रारम्भ की गई है।

## रायसेन में जिला पंचायत की सामान्य सभा की पहली बैठक

# अध्यक्ष यशवंत मीणा ने कहा- ग्रामीण क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं, ग्रामीणों के कल्याण के लिए करना है काम

**युवा प्रदेश ❑ रायसेन**

जिला पंचायत की सामान्य सभा की पहली बैठक का आयोजन हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा ने कहा कि जिले के ग्रामीण क्षेत्र में विकास के लिए संभावनाएं बहुत हैं, हम सभी को मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों के चहुंमुखी विकास और ग्रामीणों के कल्याण के लिए काम करना है। उन्होंने कहा कि जनता ने हम सभी पर विश्वास जताते हुए यह मौका दिया है। ग्रामीणों के जीवन में विकास की गंगा बहाकर हमें उनके विश्वास पर खरा उतरना है। प्रशासनिक अधिकारी शासन की योजना का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाएं। इस अवसर पर जिला पंचायत के प्रभारी सीइओ एलके खरे ने सभी अधिकारियों को जिला पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों के मुद्दों और बताए जा रहे कामों को समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। बैठक में सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, आजीविका मिशन ग्रामीण सहित ग्रामीण विकास विभाग और सामाजिक न्याय विभाग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। सदस्यों ने अपने-अपने विचार और अपने क्षेत्र से संबंधित समस्याओं को रखा।

### यह लोग रहे मौजूद

नवगठित जिला पंचायत की सामान्य सभा की पहली बैठक जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सभी जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत अध्यक्ष और सांसद और विधायक प्रतिनिधि शामिल हुए।

## आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु विशेष अभियान 31 अक्टूबर तक

विदिशा। आपके द्वारा आयुष्मान 4.0 के अन्तर्गत जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य जिले में विशेष अभियान के तहत 31 अक्टूबर तक संचालित करने के दिशा-निर्देश प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने जिले में आयुष्मान कार्ड जारी करने लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विशेष पहल करने के निर्देश संबंधितों को दिए हैं। उन्होंने चिन्हित स्थलों पर शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक संख्या में वंचितों के कार्ड जारी करने की कार्यवाही की जाए। प्रचार-प्रसार- लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के अपर मुख्य सचिव द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने के संबंध में जारी निर्देशों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की अपेक्षा संबंधितों से व्यक्त की गई है। ततसंबंध में कलेक्टर श्री भार्गव ने भी जिले के अधिकारी, कर्मचारियों को विशेष पहल करने की हिदायत दी है। उन्होंने बताया कि विशेष ग्राम सभाओं में इस अभियान की जानकारी देते हुए वंचितों को आयुष्मान कार्ड से होने वाले फायदों से अवगत कराया गया ताकि वे कार्ड बनवाने के कार्य में स्वयं रूचि भी प्रदर्शित करें। उन्होंने शहरी क्षेत्र में पार्षदों के और ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलनों में भी आयुष्मान कार्ड की जानकारी अनिवार्य रूप से दी जाए। आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु अधिकृत संस्थाएं- स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु जो संस्थाएं अधिकृत की गई हैं उनमें कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र, यूटीआईआईटीएसएल एवं पंचायत विभाग के ग्राम रोजगार सहायक, सचिव जिन्हें आईडी पासवर्ड प्रदाय किए जाएंगे।

## सेवा सप्ताह तहत साफ सफाई अभियान हेतु सौंपे दायित्व

विदिशा। मुख्यंत्री जन सेवा अभियान अन्तर्गत बुधवार 21 अगस्त को सेवा सप्ताह के तहत जनपद पंचायत ग्यारसपुर की समस्त ग्राम पंचायतों में जन सहयोग से व्यापक साफ-सफाई एवं स्वच्छता अभियान का क्रियान्वयन किया जाना है। अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधि, नागरिकों, समाजसेवी एवं ग्राम पंचायत स्तरीय अमले के साथ ग्राम पंचायत क्षेत्र में नाली, सड़कें, घूरा आदि को साफ कर स्वच्छता अभियान का क्रियान्वयन किया जाना है। कार्यक्रम के सफल क्रियान्नवयन हेतु जनपद पंचायत ग्यारसपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा आदेश जारी कर अधिकारियों को उक्त कार्यों के निर्वहन हेतु दायित्व सौंपे हैं। कार्यक्रम हेतु बीसी एसबीएम जनपद पंचायत ग्यारसपुर श्री अमित अंकरे को कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जनपद पंचायत ग्यारसपुर के सीईओ के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि सीएफटी केन्द्र ग्यारसपुर में सम्मिलित 12 ग्रामों हेतु उप यंत्री श्री दिनेश दांगी को प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार अटारीखेजड़ा के 13 ग्रामों हेतु उपयंत्री श्रीमती शानू जैन, नौलास के 12 तथा गूलरखेड़ी के 13 ग्रामों हेतु उपयंत्री श्री मुसबिर खां को और धामनोद के 10 तथा हैदरगढ़ के 11 ग्रामों ग्रामों हेतु उपयंत्री श्री एचएन चन्देल को प्रभारी नियुक्त किया गया है। जनपद सीइओ के द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे ग्राम पंचायत में ऐसे स्थान जहां साफ-सफाई हेतु जेसीबी/ट्रेक्टर आदि की आवश्यकता है तो उपयोग कर कार्यवाही की जाए।

# पोलियो विमुक्ति की दवा गांव, खेतों में पहुंचकर बच्चों को पिलाई गई

**युवा प्रदेश ❑ विदिशा**

राष्ट्रीय पल्स पोलियो का अतिरिक्त अभियान विदिशा जिले में 18 से 20 सितंबर तक संचालित किया गया है जिसमें पहले दिन चिन्हित बच्चों को पोलियो बूथ सेंटरों पर पोलियो विमुक्ति की दवा पिलाई गई है। इसके पश्चात अभियान के दूसरे व तीसरे दिन डोर-टू-डोर संपर्क कर इस बात का पता लगाया गया कि घर में निवास करने वाले बच्चे को पोलियो विमुक्ति की दवा दी गई है कि नहीं यदि नहीं दी गई है तो दल के सदस्यों ने उनके घर पर ही पोलियो विमुक्ति की दवा पिलाई है। अभियान के तीसरे दिन ऐसे क्षेत्र जहां पोलियो विमुक्ति की दवा पिलाने वाले सदस्य पहुंच नहीं पाए उन क्षेत्रों खासकर खेतों में झोपड़ा बनाकर रहने वाले ईंट भट्टों पर काम करने वाले परिवारजनों के बच्चे पोलियो विमुक्ति की दवा से वंचित ना रहें के लिए विशेष पहल की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एके उपाध्याय ने बताय कि विदिशा जिले में निर्धारित आयुवर्ग के 389749 बच्चों को पोलियो विमुक्ति की दवा पिलाई जानी थी। अभियान के प्रथम दो दिवस तक कुल लक्ष्य में से 361007 बच्चों को पोलियो विमुक्ति की दवा पिलाई जा चुकी है। ग्रामीण क्षेत्रों के शून्य से पांच आयुवर्ग के 164894 बच्चों में से 153329 को जबकि शहरी क्षेत्र के 224855 में से 207678 बच्चों को पोलियो विमुक्ति की दवा पिलाई गई है। अभियान के अंतिम दिन चिकित्सकों सहित दल के अन्य सदस्यों ने दूर दराज व खेतों में रहने वाले परिवारजनों के बच्चों ने पोलियो विमुक्ति की दवा पी है कि नहीं की क्रॉस मॉनिटरिंग करते हुए बच्चों को पोलियो विमुक्ति की दवा पिलाने का कार्य किया है।

**इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?**

# टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता

## जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

## भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

## लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

## टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

## टिकाऊ खेती का लाभः

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.
- टिकाऊ खेती में भूमि, जल, ऊर्जा इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग हम इस प्रकार से करते हैं कि भविष्य में आने वाली पीढ़ियां इसका प्रयोग एवं दोहन ध्यान रखकर कर सकें.

# धनिया की उन्नत खेती

**धनिया हमारे दैनिक उपयोग के मसालों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है जो पूरे वर्ष सम्पूर्ण देश में उगाया जाता है इसलिए पूरे वर्ष आय का साधन हो सकता है, हरी पत्तियां सब्जियों में उपयोग की जाती हैं। धनिया में मधुर सुगंध कोरोमिन्डाल, लिनाकोल, एल्कोहल पदार्थ उपस्थिति के कारण होता है। सूखे धनिया के बीजों को रबी में बोया जाता है। मध्यप्रदेश का 70 प्रतिशत धनिया गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, दतिया जिले में उगाया जाता है इसके अलावा शाजापुर, मंदसौर, राजगढ़ जिलों में भी बोया जाता है। अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपज के लिये उन्नत तकनीक अपनाना आवश्यक है।**

### भूमि

असिंचित धनिया के लिये काली मिट्टी जिसकी जलधारण क्षमता एवं जल निकास वाली अच्छी भूमि हो और सिंचित धनिया बोने के लिए दोमट एवं बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है जिसमें जीवांश की मात्रा पर्याप्त हो।

### खेत की तैयारी

असिंचित क्षेत्र में अंतिम वर्षा जल की नमी को संरक्षित करते हुए 2-3 जुताई कर यथाशीघ्र बुवाई करें तथा सिंचित खेत में खरीफ फसल की कटाई के बाद 2-3 जुताई करें।

### बुवाई का समय

रबी में बुवाई के लिये 15 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक उपयुक्त समय है। देरी बुवाई करने पर भभूतिया रोग की संभावना बढ़ जाती है।

### उन्नत जातियां

साधना,पंत हरितिमा, गुजरात धनिया, सिंधु,स्वाति, उदयपुर धनियां-20

### खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

खेत की तैयारी के समय 15-20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद खेत में मिला दें। सिंचित अवस्था में प्रति हेक्टर 60 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश पर्याप्त होता है। जिसमें नत्रजन की आधी मात्रा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में बुवाई के समय बीज के नीचे ऊर कर दें तथा शेष नत्रजन की मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई के समय दें उस समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।

### बीज की मात्रा एवं बुवाई विधि

सिंचित अवस्था में बीज दर 12-15 किलो ग्राम तथा असिंचित अवस्था में 25-30 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज की आवश्यकता होती है। जिसे बुवाई पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगो कर रखें जिससे अंकुरण शीघ्र और अच्छा होता है। इसके बाद थाइरम या डाइथेम -एम 45 की 3 ग्राम दवा से प्रति किलो बीज उपचारित कर बोयें। बुवाई कतारों में की जाती है जिसमें कतार से कतार की दूरी 25-30 सेमी, पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमी रखें और बीज को 3-5 सेमी गहराई पर बुवाई करें।

### निंदाई एवं गुड़ाई

धनिये की फसल में प्रथम निराई गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन पर करना चाहिये जिसमें जहां अधिक पौधे उगे हों वहां से पौधे उखाड़ दें।

### सिंचाई

अच्छी पैदावार के लिये फसल की क्रान्तिक अवस्थायें - जैसे शाखायें फूटते समय, फूल आते समय, बीज बनते समय खेत में पर्याप्त नमी होना चाहिए। सिंचाई 10-15 दिन के अंतराल पर करें जो मिट्टी की किस्म और मौसम पर निर्भर करता है।

### फसल उत्पादन

धनिया की फसल बीज के लिये 140-150 दिन में तैयार हो जाती है। बीज के रूप में 15 से 20 क्विं. प्रति हेक्टर उत्पादन प्राप्त होता है। पत्तियों के रूप में बोने के 45 दिन पश्चात से पत्तियों की कटाई कर विक्रय किया जा सकता है।

### धनिया कटाई के बाद प्रबंधन

- फसल अवधि पूर्ण होने के पश्चात जब दाने परिपक्व हो जाये एवं दाने हरे रहें तब उसे काटकर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। दाने हरे रंग के रहने से बाजार में अधिक कीमत मिलती

# आरबीआई गवर्नर ने चेताया: हमारा इरादा नवाचार को दबाना नहीं पर फिनटेक कंपनियां-कर्ज देने वाले एप नियम पालन करें

एजेंसी ■ मुंबई।

आरबीआई ने फिनटेक कंपनियों और कर्ज देने वाले एप को चेतावनी दी है। कुकुरमुत्तों की तरह उग रहे एप और उनकी अत्यधिक ब्याज वसूली पर आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, हम ऐसे ऑपरेटरों को दंडित करने या उनके नवाचार को दबाने में दिलचस्पी नहीं रखते हैं। लेकिन यह जरूर चाहते हैं कि वे नियमों का पालन करें। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट-2022 में उन्होंने कहा, केंद्रीय बैंक का इरादा यह सुनिश्चित करना है कि हर कोई नियम का पालन करे। उनका यह बयान हाल की उन घटनाओं के मद्देनजर आया है, जिसमें इन एप से उधारी लेने वाले कुछ लोगों ने आत्महत्या कर ली थी। पिछले हफ्ते ही झारखंड में महिंद्रा फाइनेंस के वसूली एजेंटों ने एक गर्भवती महिला को कुचल कर मार दिया था। पिछले दो वर्षों में केंद्रीय बैंक ने अपने नियमों में कई तरह का बदलाव किया है, जिसमें कर्ज देने वाले एप को खुलासा करना होगा कि वे किस बैंक या एनबीएफसी के साथ जुड़े हैं।

### लोगों का भरोसा बनाए रखने को सुरक्षा पर लगातार काम करे फिनटेक उद्योग : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि फिनटेक क्षेत्र को लोगों का भरोसा बनाए रखने के लिए सुरक्षा और विश्वसनीयता पर लगातार काम करने की जरूरत है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ)-2022 में अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा, समावेश के लिए नवाचार हमारा मंत्र रहा है। जैम त्रयी (जनधन, आधार और मोबाइल) से सार्वजनिक वितरण में क्रांति आई है। डिजिटल भुगतान को जीवन का एक अंग बनाने में यूपीआई की सफलता बेमिसाल है। फिनटेक और स्टार्टअप जगत में नवाचार से भारत की ख्याति बढ़ी है। मोदी ने अपने संदेश में कहा, यह क्षेत्र इस बात की पुष्टि करता है कि जब नवाचार को बढ़ावा देने वाली सरकार और आविष्कारी दिमाग एक साथ आते हैं तो असंभव भी संभव हो जाता है।

### समृद्ध भारत के निर्माण पर रहे जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब से गरीब व्यक्ति को बेहतर गुणवत्ता वाली वित्तीय सेवाएं देकर उन्हें सशक्त बनाने की आवश्यकता है। चर्चा इस बात पर होनी चाहिए कि फिनटेक क्षेत्र आजादी के अमृत काल में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जिससे समृद्ध और समावेशी भारत का निर्माण हो सके। भारत बैंकिंग तक पहुंच के मामले में पूर्णता की ओर बढ़ रहा है।

## आर गांधी की नियुक्ति को RBI की मंजूरी, गैर कार्यकारी चेयरमैन के तौर पर संभालेंगे जिम्मेदारी

**नई दिल्ली।** रिजर्व बैंक ने यस बैंक के गैर-कार्यकारी चेयरमैन के रूप में आर गांधी की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। गौरतलब है कि गांधी रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर के पद पर रह चुके थे। यस बैंक में वे गैर-कार्यकारी, अस्थायी चेयरमैन के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। गांधी की नियुक्ति 20 सितंबर 2022 से तीन साल के लिए होगी। यस बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजारों को सूचना भेज कर कहा कि रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल की सिफारिश के बाद गांधी की नियुक्ति की गई है। यस बैंक ने कहा, ''रिजर्व बैंक ने 20 सितंबर, 2022 को भेजे पत्र में रामा सुब्रमण्यम गांधी की तीन साल के लिए बैंक के गैर-कार्यकारी (अस्थायी) चेयरमैन के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।'' केंद्रीय बैंक के अधिकारी रहे गांधी के पास 37 बरस का अनुभव है।

## सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को राहत, आरबीआई ने पीसीए की निगरानी सूची से हटाया




**नई दिल्ली।** सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को आरबीआई से बड़ी राहत मिली है। दरअसल आरबीआई ने उसे त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) की निगरानी सूची से हटा दिया है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया अब ये बंदिशें हटने के बाद बिना किसी प्रतिबंध के ऋण बांट सकेगा। आरबीआई की ओर से मंगलवार को एक बयान जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रदर्शन की समीक्षा की गई जिसके बाद उसे पीसीए के फ्रेमवर्क से बाहर करने का फैसला लिया गया है। बयान में कहा गया है कि निगरानी बोर्ड ने बैंक के प्रदर्शन की समीक्षा में पाया कि मार्च 2022 में समाप्त वित्त वर्ष में उसने पीसीए के मानकों का उल्लंघन नहीं किया। बता दें कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया देश का इकलौता सरकारी बैंक है, जो पिछले पांच साल से इ्र के दायरे में था। रिजर्व बैंक की ओर से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को पीसीए फ्रेमवर्क से बाहर करने के बाद इस सरकारी बैंक के शेयरों में भी जबरदस्त उछाल आया है। इससे निवेशकों की दौलत मिनटों में 2700 करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई।

# साइबर हमलों के मामले में भारतीय स्वास्थ्य सेवा उद्योग दुनिया में दूसरे स्थान पर

एजेंसी ■ नई दिल्ली



साइबर हमलों के मामले में भारतीय स्वास्थ्य सेवा उद्योग दुनिया में दूसरे स्थान पर है। अमेरिका पहले स्थान पर है। साइबर सुरक्षा फर्म क्लाउडसेक की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 के दौरान दुनियाभर में स्वास्थ्य सेवा उद्योग पर हुए कुल साइबर हमले में देश की 7.7 फीसदी हिस्सेदारी थी। वैश्विक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में साइबर हमलों में वृद्धि रिपोर्ट में फर्म ने कहा, इस क्षेत्र में साइबर हमलों के 28 फीसदी मामलों के साथ अमेरिका का दुनिया में पहला स्थान है। भारत के स्वास्थ्य सेवा उद्योग पर 2021 में 71 लाख से अधिक साइबर हमले हुए। इस तरह 7.7 फीसदी हिस्सेदारी के साथ भारत का दुनिया में दूसरा स्थान रहा। फर्म ने बताया कि स्वास्थ्य सेवा उद्योग में तकनीकी प्रगति के कारण साइबर हमले बढ़े हैं। क्लाउडसेक भारतीय साइबर सुरक्षा निगरानी संस्था सीईआरटी-इन को साइबर खतरे की खुफिया जानकारी देती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल के पहले चार महीने में ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा करीब 70 करोड़ साइबर हमले हुए हैं। थाइलैंड 10 करोड़ से ज्यादा मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है।

## अच्छी बढ़त के साथ बंद हुए शेयर बाजार, सेंसेक्स 579 अंक ऊपर, निफ्टी 17800 के पार



**नई दिल्ली।** वैश्विक बाजारों से मिलने वाले सकारात्मक संकेतों के बीच हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुए। आज से शुरू होने वाली फेड की बैठक से पहले दुनियाभर के शेयर बाजार में तेजी दिखी। इस दौरान सेंसेक्स 964 अंकों तक उछलता नजर आया। आखिरकार सेंसेक्स बाजार बंद होते समय 579 अंक चढ़कर 59,720 अंकों पर तो निफ्टी 194 अंकों की बढ़त के साथ 17,816 अंकों के स्तर पर बंद हुआ। भारतीय बाजार में बैंकिंग, ऑटो, आईटी, मेटल, फार्मा और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में बढ़िया खरीदारी देखने को मिली।

# तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम,कोई बदलाब नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली



तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज भी पेट्रोल कंपनियों ने तेल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले 3 महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। आज दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 106.3 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपये व डीजल की कीमत 89.62 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है।

### जानिए आपके शहर में कितना है दाम

पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जाकर आपको ऋक्क और अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा। बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है। इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं। डीलर पेट्रोल पंप चलाने वाले लोग हैं। वे खुद को खुदरा कीमतों पर उपभोक्ताओं के अंत में करों और अपने स्वयं के मार्जिन जोड़ने के बाद पेट्रोल बेचते हैं। पेट्रोल रेट और डीजल रेट में यह कॉस्ट भी जुड़ती है।

# बाजार में जारी गिरावट: क्रिप्टोकरेंसी बाजार में जारी मंदी पर ब्रेक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

क्रिप्टोकरेंसी के बाजार में जारी गिरावट पर मंगलवार को ब्रेक लगता दिख रहा है। मंगलवार को बिटकॉइन और इथेरियम सहित कई क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में इजाफा हुआ है।

**क्रिप्टोकरेंसी बाजार का कुल मार्केट कैप 2.84 फीसदी की उछाल के साथ 935.59 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया**

मंगलवार को क्रिप्टोकरेंसी बाजार का कुल मार्केट कैप 2.84 फीसदी की उछाल के साथ 935.59 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमतों में पिछले 24 घंटों के दौरान 2.81 फीसदी का उछाल आया है। उससे पहले बीते एक हफ्ते के दौरान बिटकॉइन में 12.87 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। यह फिलहाल 19,350.41 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। इसका मार्केट कैपिटलाइजेशन करीब 370,841,821,733 डॉलर हो गया है। वहीं दूसरी ओर, इथेरियम क्रिप्टोकरेंसी में जारी गिरावट भी मंगलवार को थम गई है। अब तक के आंकड़ों मुताबिक इथेरियम में 4.33ल प्रतिशत तक की तेजी है। इसका मार्केट प्राइस 1356.93 डॉलर हो गया है। बता दें कि बीते एक हफ्ते के दौरान इस क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में 20.69 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली थी। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में मंगलवार को टिथर 0.2 फीसदी चढ़कर एक डॉलर हो गया। शिबा इनू में भी आज तेजी दिख रही है। यह एक दिन में 1.43ल मजबूती के साथ 0.00001093 डॉलर पर कारोबार कर रही है। पिछले सात दिनों में शिबू इनू में 14.75 प्रतिशत की गिरावट आई थी। इसके अलावा सोलाना नामक एनएफटी में भी तेजी है। यह 3.25ल की तेजी के साथ 32.28 डॉलर पर ट्रेड कर रहा है। सोलाना क्रिप्टोकरेंसी के भाव बीते हफ्ते के दौरान 16.37ल तक लुढ़क गए थे। जबकि कार्डानोकॉइन फिलहाल 1.67 फीसदी की तेजी के साथ 0.4469 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में मंगलवार को सिर्फ पोल्काडॉट क्रिप्टोकरेंसी लाल निशान में कारोबार करती दिख रही है। इसकी कीमतें 0.53ल तक टूटी हैं। यह फिलहाल 6.30 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। हालांकि क्रिप्टोकरेंसी बाजार की हालिया सूरत देखकर उसके भी हरे निशान पर लौटने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

## टूटे हुए हुए चावल का निर्यात शर्तों के साथ 30 सितंबर तक किया जा सकेगा

**नई दिल्ली।** सरकार ने टूटे हुए चावल के निर्यात के लिए अब 30 सितंबर तक की मंजूरी दे दी है। पर यह कुछ निश्चित परिस्थितियों में ही किया जा सकेगा। सरकार की ओर से जारी नए निर्देशों के मुताबिक उन्हीं टूटे हुए चावल के खेप को निर्यात की अनुमति 30 सितंबर तक होगी जिनकी लोडिंग बैन लगाने का निर्णय आने से पहले जहाज पर हो गई थी या जहां शिपिंग बिल दायर कर दिया गया है और जहाज पहले ही लोडिंग के लिए पहुंचकर भारत में लंगर डाल चुके हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय की एक नई अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि जिन मामलों में बंदरगाहों और उनके रोटेशन नंबर आवंटित कर दिए गए हैं और जहां टूटे हुए चावल की खेप सीमा शुल्क विभाग को सौंप दी गई है और उनकी प्रणाली में पंजीकृत हो चुकी है उन्हें ही निर्यात की अनुमति मिलेगी।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया ( समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा। )